तापमान
अधिकतम 39 .7 डिग्री
न्यूनतम 24 .9 डिग्री

हरिभूमि
सोनीपत भूमि
रोहतक, रविवार, 23 जून 2024

11 योग से शरीर ही नहीं मस्तिष्क का भी संपूर्ण...

12 संत कबीरदास मानवता के अमर नायक : ब्रह्मचारी

खबर संक्षेप

गोहाना। शिविर में योग का अभ्यास करते हुए प्राचार्य डॉ. सचिन शर्मा।

योग से होता सकारात्मक ऊर्जा का संचार : सचिन

गोहाना। योग करने से शरीर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करें और आजीवन स्वस्थ रहने के लिए नियमित रूप से योग करें। यह बात शहर में गुढ़ा रोड स्थित जेएलएन स्कूल के प्राचार्य डॉ. सचिन शर्मा ने कही। वे शनिवार को स्कूल में आयोजित ग्रीष्मकालीन वार्षिक शिविर के समापन सत्र को संबोधित कर रहे थे। जेएलएन स्कूल में हर वर्ष स्कूल की ग्रीष्मकालीन छुट्टियों में योगा शिविर आयोजित किया जाता है। शिविर में स्कूल की एनएसएस इकाई के स्वयंसेवक, शिक्षक, विद्यार्थी व आसपास के लोग योग का अभ्यास करते हैं। स्कूल द्वारा ऑनलाइन योगा कक्षाएं भी आयोजित की जाती हैं। इस अवसर पर स्कूल के एमडी सुनील शर्मा, उप प्राचार्य सूरत शर्मा, यशपाल शर्मा, विजय चौहान और चिराग जैन आदि उपस्थित रहे।

ड्राइवर से की धोखाधड़ी पर्स और मोबाइल चुराया

गन्नौर। जीटी रोड पर लड़सौली गांव के पास चोर सड़क किनारे खड़े ट्रक में सो रहे चालक का पर्स व मोबाइल चोरी कर ले गया। शिकायत में मुंडलाना निवासी सोमबीर ने बताया कि वह ट्रक चालक है। 20 जून को वह ट्रक लेकर बादली से दिल्ली जा रहा था। जब वह जीटी रोड पर लड़सौली गांव के पास स्थित हंस ढाबा के पास पहुंचा तो उसकी आंखों में कचरा आ गया। जिस वजह से उसने सड़क किनारे ट्रक को खड़ा किया और उसके अंदर ही सो गया। जब अगली सुबह उठा तो उसका जेब से मोबाइल, उसका पर्स जिसमें लाइसेंस, 11500 रुपये की नकदी व बैंक का एटीएम था चोरी हुआ मिला। उसने दूसरे मोबाइल में चोरी हुआ सिम कार्ड दोबारा निकलवा कर नए मोबाइल में डाला तो खाते से 18 हजार 100 रुपये निकलने का मैसेज आया।

डेंगू की दस्तक, गन्नौर व खरखौदा में मिले तीन मरीज,स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

सोनीपत। लारवा की जांच करते अधिकारी।

सोनीपत। जिले में डेंगू बुखार ने दस्त दे दी है। विभाग की तरफ से चलाए जा रहे अभियान के तहत मिले मरीजों की जांच की। जांच में गन्नौर व खरखौदा से तीन डेंगू से ग्रस्त मरीजों की पुष्टि हुई है। विभाग की तरफ से लोगों को सत्तर्कता बरतने के लिए जागरूक किया जा रहा है। ताकि बुखार को फैलने से रोका जा सके। बता दें कि जिले में डेंगू बुखार के साथ-साथ मलेरिया का खतरा बढ़ने लगा है। जिले में अब तक अलग-अलग स्थानों पर डेंगू से ग्रस्त मरीज सामने आ चुके है। सोमवार को जिले में पांच डेंग के नए मरीज सामने आए है। इतनी तेजी से बढ़ रहे मरीजों की संख्या को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग की तरफ से अलर्ट जारी किया है। विभाग की 168 टीमें संदिग्ध क्षेत्र में जांच अभियान चलाकर लोगों को जागरूक करने व जांच अभियान चलाने का काम कर रही है। विभाग के अधिकारी लोगों से सावधानी बरतने की अपील कर रहे है। जिले में अभी तक इस वर्ष 11 मरीज सामने आ चुके है।

अब तक 11 मरीज आए

जिले के गन्नौर में दो व खरखौदा से एक मरीज सामने आए था, जोकि स्वस्थ्य है। जिनको उपचार के बाद घर भेज दिया गया है। इसके साथ जनवरी से लेकर अब तक 11 मरीज सामने आ चुके है। जोकि उपचार के बाद स्वस्थ्य है। विभाग की टीम घर-घर जाकर बुखार व लारवा की जांच कर रही है। समय रहते मरीज का इलाज किया जा सके। विभाग की 164 सदस्यीय टीम जांच में जुटी हुई है। वहीं लोगों को जागरूक करने का काम किया जा रहा है।

-डा. मंजीत राठी, जिला नोडल अधिकारी।

पशु व्यापारी ने लेनदेन में निगला जहर, मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭सोनीपत

गांव गढ़ सहजानपुर में रुपये के लेनदेन के दबाव में पशु व्यापारी ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली। उनका शव गांव के शमशान घाट में मिला है। साथ ही सल्फास की गोली की डिब्बी भी मिली है। इतना ही नहीं उनका हाथ भी जानवरों ने नोंच रखा था। मृतक के पास से सुसाइड नोट भी मिला है। जिसमें उसने शहर की पत्थरों वाली गली में रहने वाले एक पुलिसकर्मी और गांव रेवली के व्यक्ति पर रुपये के लिए बदनाम करने का आरोप लगाया है। गांव गढ़ शहजानपुर स्थित हीरानंद कॉलोनी निवासी नवीन ने पुलिस को बताया कि उनके पिता मदनपाल शुक्रवार की शाम को घर से गए थे। वह वापस नहीं लौटे तो वह उनकी तलाश करने लगे। उनके चाचा रणबीर तलाश करते हुए रात करीब साढ़े 11 बजे गांव के शमशान घाट में पहुंचे तो उनके पिता मृत अवस्था में पड़े थे। उन्होंने सल्फास की गोली खा रखी थी। पास की कुछ गोली पड़ी भी मिली। उनका दाहिना हाथ किसी जानवर ने नोंच रखा था।

जेब से एक सुसाइड नोट मिला

व्यापारी की जेब से सुसाइड नोट मिला। जिसमें लिखा था कि उनका पत्थरों वाली गली में रहने वाले पुलिसकर्मी और रेवली के ग्रामीण के साथ रुपये का लेनदेन था। रुपये दिए जाने के बावजूद दोनों उस पर और रुपये देने का दबाव बना रहे थे और उसे बदनाम कर रहे थे। जिससे आहत होकर उन्होंने यह कदम उठाया है। बेटे की शिकायत पर पुलिस ने आत्महत्या के लिए विवश करने का केस दर्ज किया है।

नई अनाज मंडी में संत कबीर की जयंती पर राज्यस्तरीय कार्यक्रम

45 लाख बीपीएल परिवारों को मुफ्त राशन दे रही सरकार : सीएम सैनी

सरकार संत कबीरदास के दिखाए मार्ग पर चलकर सर्वसमाज के हित में कर रही है काम

हरिभूमि न्यूज ⏭गोहाना

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि जरूरतमंद व्यक्ति भूखे पेट न सोए, इसके लिए सरकार 45 लाख बीपीएल परिवारों को मुफ्त राशन दे रही है। 12 लाख बीपीएल परिवारों की माताओं व बहनों को एलपीजी सिलेंडर उपलब्ध करवाए गए हैं। एक लाख से कम आय वाले 23 लाख परिवारों के 84 लाख लोगों को हरियाणा राज्य परिवहन की बसों में हर वर्ष 1000 किलोमीटर की मुफ्त यात्रा का लाभ देने के लिए हैप्पी कार्ड उपलब्ध कराए गए हैं। प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शनिवार को जींद रोड स्थित नई अनाज मंडी में संत कबीर दास की 626वीं जयंती पर लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार संत कबीर दास की शिक्षाओं व दिखाए गए मार्ग पर चलकर सर्व समाज के हित में काम कर रही है। उन्होंने कहा कि कई राजनीतिक दल महापुरुषों के नाम पर भी राजनीति करके समाज में भेदभाव फैलाने का काम कर रहे हैं, ताकि वह अपने राजनीतिक स्वार्थ को पूरा कर सके। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि आयुष्मान भारत योजना के तहत लोगों को सालाना पांच लाख रुपये तक की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। कांग्रेस सरकार ने जरूरतमंदों को 100-100 वर्ग गज के प्लॉट देने का वादा किया था, ज्यादातर लाभार्थियों को प्लॉट नहीं दिए गए और न ही कब्जा पत्र उपलब्ध कराए गए। वहीं भाजपा ने 20 हजार में से 7600 लाभार्थियों को कब्जा पत्र सौंप दिए हैं।

सोनीपत। संत कबीरदास के चित्र को नमन करते सीएम नायब सिंह सैनी। फोटो : हरिभूमि

गोहाना। राज्यस्तरीय रैली में जनसमूह को संबोधित करते मुख्यमंत्री नायब सैनी। फोटो : हरिभूमि

सीएम बोले-अगर जमीन नहीं तो मिलेंगे 11 लाख रुपये

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन गांव में पंचायत की जमीन उपलब्ध नहीं है, उन गांव के जरूरतमंद लोगों को 100 वर्ग गज का प्लॉट खरीदने के लिए एक-एक लाख रुपये की वित्तीय सहायता उनके खाते में डाली जाएगी। योजना के तहत नए लाभार्थियों की सहायता के लिए पोर्टल शुरू किया गया है। पंजीकृत लाभार्थियों के सत्यापन के बाद उन्हें भी प्लॉट दिए जाएंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में इस बार प्रत्येक पंडाल में कूलर व ठंडे पानी की व्यवस्था की गई थी। इसके अलावा पंडाल के बाहर मीठे पानी की छबील व भंडारा लगाया गया, ताकि कार्यक्रम में आने वाले लोगों को परेशानी न हो। साथ ही लोगों को कार्यक्रम में लाने व वापस ले जाने के लिए रोडवेज बसों की व्यवस्था की गई थी।

दोदवा पहुंचे सीएम, स्कूल को दसवीं तक करने की घोषणा की

मुख्यमंत्री सैनी भाजपा के जिलाध्यक्ष जसबीर दोदवा के अनुरोध पर उनके गांव दोदवा पहुंचे और बुजुर्गों का आशीर्वाद लिया। जब ग्रामीणों ने गांव में आठवीं तक स्कूल होने के बात कहीं तो मुख्यमंत्री ने उसी समय स्कूल को कक्षा 10वीं तक करने की घोषणा की। उन्होंने ग्रामीणों से अनुरोध भी किया कि वह अपने बच्चों का अधिक से अधिक संख्या में राजकीय स्कूलों में दाखिला करवाएं। वह भी सरकारी स्कूल से पढ़कर आज मुख्यमंत्री पद तक पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि आज सरकारी स्कूलों से कई बच्चे डॉक्टर व इंजीनियर बने हैं। विधायक मोहनलाल बड़ौली ने मुख्यमंत्री की घोषणा का स्वागत करते हुए उनका आभार जताया। गांव दोदवा पहुंचने पर भाजपा जिलाध्यक्ष जसबीर दोदवा व सरपंच रमेश ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया।

गोहाना शिविर में रक्तदाताओं के साथ इंदुराज नरवाल। फोटो : हरिभूमि

ढुराना के शिविर में 53 ने किया रक्तदान

- ज्येष्ठ माह की पूर्णिमा के दिन बरोदा हलके के कई गांवों में भंडारे भी लगे

हरिभूमि न्यूज ⏭गोहाना

ज्येष्ठ माह की पूर्णिमा के दिन गांव ढुराना में भंडारे के साथ रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। भंडारे में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण करके समाज कल्याण की मन्नतें मांगी। शिविर में 53 नागरिकों ने रक्तदान का पुण्य बटोरा। शनिवार को बरोदा हलके के गांव बनवासा, बरोदा, ढुराण्ना, भैंसवाल कलां, जसराना, छिछड़ाना, आहुलाना और रिंढाणा में ज्येष्ठ माह की पूर्णिमा के पावन अवसर पर भंडारे आयोजित किए गए। बरोदा हलका के विधायक इंदुराज नरवाल ने भंडारों में पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया और संत-महात्माओं से आशीर्वाद लेकर समाज कल्याण की मंगलकामना की। ढुराना गांव में दादा मंगलदास के मंदिर में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में रेड ड्राप हैदराबादी ब्लड सेंटर पानीपत की टीम रक्त संकलन के लिए पहुंची। शिविर का संचालन डॉ. देव चौधरी और डॉ. विकास जागलान ने किया। इस अवसर पर राकेश उर्फ काला सरपंच, मास्टर सत्यवान, मास्टर नवीन, संजू कुण्डू, अमित कुण्डू, मनोज कुमार, देवेंद्र कश्यप, सुरेंद्र, हरबीर व अन्य ग्रामवासी मौजूद रहे।

बाबा भलेगिरी की तपस्या पूर्ण

रिंढाणा में शीतला माता मंदिर में श्री श्री 1008 महंत बाबा भलेगिरी जी महाराज की 31 दिवसीय पंचधूनी तपस्या पूर्ण हो गई। तपस्या के समापन पर मंदिर में देसी घी का भंडारा लगाया गया। विधायक इंदुराज नरवाल ने बाबा भलेगिरी महाराज से आशीर्वाद ग्रहण किया।

ट्रेन में चढ़ते समय महिला का पर्स चोरी

- पुलिस स्टेशन पर लगे सीसीटीवी की रिकार्डिंग खंगाल रही

सोनीपत। सोनीपत स्टेशन पर ट्रेन में चढ़ते समय महिला का पर्स चोरी हो गया। महिला ने मामले की शिकायत अलीगढ़ जीआरपी को दी। जिसके बाद पुलिस ने मामले को जीआरपी सोनीपत को भेजा। पुलिस ने इस संबंध में चोरी का मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस स्टेशन पर लगे सीसीटीवी की रिकार्डिंग खंगाल रही है। ताकि कोई सुराग पुलिस को लग सके। चामड़ हाथरस निवासी काजल ने बताया कि वह सोनीपत से अलीगढ़ जा रही थी। ट्रेन में चढ़ने के लिए वह सोनीपत स्टेशन पर पहुंची। जहां ट्रेन में चढ़ते समय उसका पर्स चोरी कर लिया। पर्स में चार हजार रुपये की राशि व सोने के कुंडल रखे हुए थे। किसी ने स्टेशन से गाड़ी में चढ़ते समय किसी ने वारदात को अंजाम दिया है। मामले को लेकर उसने अलीगढ़ जीआरपी को शिकायत दी। शिकायत को सोनीपत जीआरपी के पास भेजा गया। जहां पुलिस ने पीड़िता के बयान पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। जांच अधिकारी एचसी सरिता देवी ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। स्टेशन पर लगे सीसीटीवी खंगाली जा रही है।

शुक्रवार को बूंदाबांदी के बाद मौसम में आया था बदलाव

उमस ने किया परेशान, बढ़ गया तापमान

हरिभूमि न्यूज ⏭सोनीपत

मौसम में शनिवार को भी बदलाव हुआ। शुक्रवार को जहां गर्मी से राहत देते हुए बादलों ने बारिश की थी, वहीं शनिवार को उमस ने परेशानी बढ़ा दी है। तीन दिन पहले तेज हवाओं के साथ हुई बारिश के बाद तापमान में गिरावट दर्ज की गई थी। उसके बाद से तापमान लगातार बढ़ रहा है।

- आज फिर से बढ़ गई गर्मी, न्यूनतम तापमान में हुई बढ़ोतरी

न्यूनतम तापमान में तेजी से इजाफा होने से लोगों को उमस भरी गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि 28 जून से मानसून के दस्तक देने के आसार बन रहे हैं। जिसके बाद लोगों को गर्मी से राहत मिल सकेगी। दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से कुछ क्षेत्रों में बूंदाबांदी हुई थी। जिससे तापमान में भी गिरावट आई थी। हालांकि तीन दिन से तापमान में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। शनिवार को जिले का अधिकतम तापमान 38.9 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 27.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जबकि एक दिन पहले अधिकतम तापमान 37.7 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 26.1 डिग्री दर्ज किया गया था। **धान रोपाई में आएगी तेजी:** जिले में किसान बारिश का इंतजार कर रहे हैं। कुछ दिन पहले आसमान पर छाए बादलों से बारिश की आस जगी थी, लेकिन आसमान में बादल तो छाए, लेकिन अधिकतर क्षेत्रों में बारिश नहीं हुई। किसानों का कहना है कि बारिश होने के बाद ही धान रोपाई के काम में तेजी आएगी।

फाइल फोटो

28 जून से मानसून के दस्तक देने के आसार

मौसम परिवर्तनशील बना हुआ है। तापमान में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। 28 जून को मानसून के दस्तक देने के आसार बन रहे हैं। बारिश के बाद ही गर्मी से राहत मिल सकेगी।

डॉ. प्रेमदीप, मौसम विशेषज्ञ, कृषि विज्ञान केंद्र, जगदीशपुर।

पौधरोपण कर किया लोगों को जागरूक

गन्नौर। पूर्णिमा के अवसर पर शनिवार को शहर के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यायल में पौधरोपण अभियान चलाया गया। स्कूल प्राचार्य विनोद कुमार शर्मा व स्कूल स्टाफ ने पौधरोपण किया। प्राचार्य विनोद कुमार शर्मा ने पर्यावरण संरक्षण के लिए लोगों को पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया गया। उन्होंने कहा कि पेड़-पौधे दूषित पर्यावरण को स्वच्छ करते हैं। उन्होंने स्कूल परिसर में आम, अमरूद, आदि फलदार पौधे लगाए। उन्होंने कहा कि भावी पीढ़ी को सुसंस्कृत करना ही वास्तविक शिक्षा है। हमारे वेद संपूर्ण संसार को प्रकृति के महत्व बताने वाले प्रथम प्रमाणित ग्रंथ हैं और हमें इस धरोहर को भावी पीढ़ी में समाहित भी करना होगा, ताकि आने वाली पीढ़ियां भी प्रकृति के बिना जीवन की कल्पना ना करें।

डिजिटल ठग कर सकते हैं कंगाल, रहें सावधान

टेलीग्राम और इंस्टाग्राम चैनल्स पर बताए गए टिप्स से बचके रहें

●

ये करवा सकते हैं बड़े नुकसान, अपनी समझ से करें निवेश

● शेयर मार्केट में पैसा लगाने से पहले एक बार जरूर विचार करें ● एनएसई ने भी इंस्टाग्राम व टेलीग्राम के हैंडल्स से किया सतर्क ● निवेशक डब्बा और इलीगल ट्रेडिंग से भी सावधान रहें

अलर्ट

विनोद कौशिक

अगर आप भी शेयर बाजार में निवेश कर रहे हैं या करने जा रहे हैं तो कुछ बातें पल्ले बांध लें, वरना भारी नुकसान हो सकता है। सबसे जरूरी तो निवेश करने से पहले अपने लक्ष्य तय कर लें और सधी शुरूआत करें। निवेश करने के लिए पहले बाजार के बारे में जान लें, किताबें पढ़ें, अखबार पढ़ें या बाजार के जानकारों से सलाह भी ले सकते हैं, लेकिन निवेश अपनी समझदानी से ही करें। निवेश के लिए डिजिटल मचों के झांसे में न आएं, ये आपको कंगाल कर सकते हैं। खासकर इंस्टाग्राम, फेसबुक और टेलीग्राम चैनल्स के टिप्स लेकर निवेश करने से बचें। ये मंच आपको बड़ा चूना लगवा सकते हैं। इसलिए ध्यान रखें और खुद रिसर्च करने के बाद ही बाजार में उतरें। दरअसल, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज यानी एनएसई ने भी निवेशकों को उस इंस्टाग्राम और टेलीग्राम चैनल के प्रति आगाह किया है जो निवेश से संबंधित टिप्स देने का दावा करते है। एक्सचेंज ने निवेशकों को डब्बा/इलीगल ट्रेडिंग के माध्यम से ट्रेडिंग सर्विसेज प्रदान करने वाली एंटिटी के खिलाफ भी चेतावनी दी।

एनएसई की चेतावनी

एनएसई ने 'बीएसई_एनएसई_लेटेस्ट' नाम के इंस्टाग्राम हैंडल और टेलीग्राम चैनल 'भारत ट्रेडिंग यात्रा' के खिलाफ चेताया है। जो ट्रेडिंग के लिए सिक्योरिटीज मार्केट टिप्स प्रदान कर रहे हैं और निवेशकों के ट्रेडिंग अकाउंट्स को हैंडल करने की पेशकश कर रहे हैं। निफ्टी ने अवैध ट्रेडिंग के लिए इस्तेमाल होने वाले नंबर भी शेयर किए हैं।

एक अन्य रिलीज में यह कहा

एक रिलीज में एक्सचेंज ने 'बेयर एंड बुल प्लेटफॉर्म' और 'ईजी ट्रेड' से जुड़े आदित्य नाम के शख्स का जिक्र किया जो डब्बा/इलीगल ट्रेडिंग सर्विसेज मुहैया कराता है। एक्सचेंज ने इसके दो मोबाइल नंबर-8485855849 और 9624495573 भी पब्लिक किए हैं। एनएसई का कहना है कि यह शख्स एनएसई के किसी रजिस्टर्ड मेंबर के ऑथराइज्ड मेंबर या खुद किसी मेंबर के रूप में रजिस्टर्ड नहीं है।

रियल एस्टेट निवेश

रियल एस्टेट से जुड़े निवेश के जरिए जल्दी पैसे कमाने का वादा निवेशकों को लुभाता रहता है। रियल एस्टेट निवेश घोटाले निवेशकों के लिए हमेशा से एक जाल रहे हैं। राज्य प्रतिभूति विनियामक निवेशकों को रियल एस्टेट निवेश सेमिनारों के बारे में सावधान करते हैं, खासकर उन सेमिनारों के बारे में जिन्हें स्टॉक, बॉन्ड और म्यूचुअल फंड से जुड़ी अधिक पारंपरिक सेवानिवृत्ति योजना रणनीतियों के विकल्प के रूप में आक्रामक रूप से विपणन किया जाता है। इन सेमिनारों में उपस्थित लोगों को ऐसे लोगों के प्रशंसापत्र सुनने को मिल सकते हैं जो दावा करते हैं कि उन्होंने रियल एस्टेट में साधारण निवेश के माध्यम से अपनी आय दोगुनी या तिगुनी कर ली है, लेकिन ये दावे हवा-हवाई हो सकते हैं। सबसे लोकप्रिय निवेश पिचों में से दो तथाकथित हार्ड-मनी लेंडिंग और प्रॉपर्टी फ्लिपिंग शामिल हैं।

भारतीय शेयर बाजार दुनिया में चौथे नंबर पर

बता दें कि भारत ने हांगकांग से चौथे सबसे बड़े ग्लोबल इक्विटी बाजार का टैग वापस ले लिया है। देश का मार्केट कैप बढ़कर 5.21 ट्रिलियन डॉलर पर पहुंच गया। हांगकांग शेयर बाजार का मार्केट कैप 5.17 ट्रिलियन डॉलर है। इस तरह भारत दुनिया को चौथा सबसे बड़ा शेयर बाजार बन गया है।

क्रिप्टोकरेंसी निवेश

2017 में क्रिप्टोकरेंसी निवेश की मुख्यधारा में आ गई, क्योंकि बिटकॉइन के नेतृत्व में कुछ आभासी सिक्कों और टोकन के मूल्य आसमान छू गए। इसके तुरंत बाद, समाचारों में नई क्रिप्टोकरेंसी, कॉइन एक्सचेंज और संबंधित निवेश उत्पादों की कवरेज दिखाई दी। क्रिप्टो करोड़पतियों की कहानियों ने कुछ निवेशकों को क्रिप्टोकरेंसी या क्रिप्टो-संबंधित निवेशों में निवेश करने के लिए आकर्षित किया। लेकिन बड़ी बाजी लगाने और हारने वालों की कहानियां भी सामने आने लगीं और लगातार सामने आ रही हैं। क्रिप्टो क्रेज में कूदने से पहले, ध्यान रखें कि क्रिप्टोकरेंसी और संबंधित वित्तीय उत्पाद पोंजी योजनाओं और अन्य धोखाधड़ी के लिए सार्वजनिक रूप से सामने आने वाले मुखौटे से ज़्यादा कुछ नहीं हो सकते हैं। क्योंकि ये उत्पाद मौजूदा संघीय/राज्य नियामक ढांचे में ठीक से नहीं आते हैं, इसलिए इन उत्पादों के प्रमोटरों के लिए आपको ठगना आसान हो सकता है। तदनुसार, क्रिप्टोकरेंसी और संबंधित वित्तीय उत्पादों में निवेश को इस रूप में देखा जाना चाहिए। नुकसान के उच्च जोखिम के साथ अत्यधिक जोखिम भरा सट्टा।

निवेश धोखाधड़ी के प्रकार

उच्च ब्याज दरों का वादा

अक्सर देखने में आता है कि कम ब्याज दरों के माहौल में, उच्च ब्याज वाले वचन-पत्रों का वादा निवेशकों को लुभा सकता है, विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों और निश्चित आय पर जीवन-यापन करने वाले अन्य लोगों को। वचन पत्र भविष्य में किसी निश्चित समय पर या मांग पर एक निश्चित राशि का भुगतान (या पुनर्भुगतान) करने का लिखित वादा है। वचन पत्र आम तौर पर नोट की परिपक्वता से पहले या परिपक्वता के समय समय-समय पर ब्याज देते हैं। कंपनियां पूंजी जुटाने के लिए वचन पत्र बेच सकती हैं, और आमतौर पर उन्हें केवल परिष्कृत या संस्थागत निवेशकों को ही देती हैं। लेकिन सभी वचन पत्र इस तरह से नहीं बेचे जाते हैं। इसलिए ऐसे वचन पत्रों से सावधान रहने की जरूरत है।

पोन्ज़ी योजनाएं

पोन्जी योजना (जिसका नाम 1920 के ठग चार्ल्स पोन्जी के नाम पर रखा गया) एक चाल है, जिसमें पहले के निवेशकों को बाद के निवेशकों द्वारा जमा किए गए धन के माध्यम से भुगतान किया जाता है। चार्ल्स पोन्जी ने अंतर्राष्ट्रीय डाक उत्तर कूपन पर आर्बिट्रेज लाभ से 40 प्रतिशत रिटर्न का वादा करके निवेशकों से 10 मिलियन डॉलर ठगे थे। पोंजी स्कीम में, अंतर्निहित निवेश दावे आमतौर पर पूरी तरह से काल्पनिक होते हैंऔर बहुत कम, यदि कोई हो, तो वास्तविक भौतिक संपत्ति या निवेश आम तौर पर मौजूद होते हैं। जैसे-जैसे कुल निवेशकों की संख्या बढ़ती है और संभावित नए निवेशकों की आपूर्ति घटती जाती है, वादा किए गए रिटर्न का भुगतान करने और उन निवेशकों को कवर करने के लिए पर्याप्त धन नहीं होता है जो नकद निकालने की कोशिश करते हैं। पोंजी बुलबुला तब फटेगा जब ठग निवेशकों को अपेक्षित भुगतान नहीं दे पाएगा। जब योजना ध्वस्त हो जाती है (जैसा कि हमेशा होता है), तो निवेशक धोखाधड़ी में अपना पूरा निवेश खो सकते हैं। कई मामलों में, अपराधी ने निवेश की गई राशि को निजी खर्चों पर खर्च कर दिया होगा, जिससे फंड खत्म हो जाएगा और बुलबुला फटने की संभावना बढ़ जाएगी।

पिरामिड योजनाएं

ये भी धोखाधड़ी वाली मल्टी-लेवल मार्केटिंग रणनीति है, जिसके तहत निवेशक अधिक से अधिक अन्य निवेशकों को भर्ती करके संभावित रिटर्न कमाते हैं। मल्टी-लेवल मार्केटिंग रणनीतियां आंतरिक रूप से धोखाधड़ी वाली नहीं हैं, और कई वैध मल्टी-लेवल मार्केटिंग कंपनियां हैं जो विभिन्न उपभोक्ता उत्पाद और सेवाएं प्रदान करती हैं। जो चीज बहु-स्तरीय विपणन रणनीति को धोखाधड़ी वाली पिरामिड योजना बनाती हैं, वह है वास्तविक अंतर्निहित निवेश उद्यम या उत्पाद का अभाव, जिसके आधार पर रणनीति को कायम रखने की उम्मीद की जा सके।

रिटर्न देने में ईएलएसएस फंड भी पीछे नहीं, बचाते हैं टैक्स

निवेशकों की कमाई करवाने में ईएलएसएस फंड भी पीछे नहीं है। ये फंड बढ़िया रिटर्न देने के साथ-साथ टैक्स बचाने के लिए भी जाने जाते हैं। निवेशकों में ये फंड भी काफी लोकप्रिय माने जाते हैं। पिछले 10 सालों में चार ईएलएसएस फंडों ने 30,000 रुपये की मासिक एसआईपी निवेश को 1 करोड़ रुपये में बदल दिया है। टैक्स-सेविंग या ईएलएसएस स्कीमों में निवेश की सलाह उन निवेशकों को दी जाती है जो आयकर अधिनियम की धारा 80सी के तहत टैक्स बचाना चाहते हैं। ईएलएसएस फंड में तीन साल की लॉक-इन अवधि होती है।

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

महंगाई के इस दौर में हर कोई कमाई के चक्कर में रहता है। कोई बाजार में निवेश करके कमाता है तो कोई मेहनत मजदूरी करके कमाई करता है। हर कोई कोई अपने सुनहरे भविष्य के लिए निवेश भी करता है। बाजार में निवेश करने के ढेरों तरीके हैं। सबके अपने-अपने लाभ और नुकसान हैं। कुछ लोग तो टैक्स बचाने के लिए भी निवेश करते हैं। म्यूचुअल फंडों की बात करें तो ईएलएसएस फंड टैक्स बचाने और बढ़िया रिटर्न पाने का बेहतरीन तरीका हो सकते हैं। निवेशकों की कमाई करवाने में ईएलएसएस फंड भी पीछे नहीं है। ये फंड बढ़िया रिटर्न देने के साथ-साथ टैक्स बचाने के लिए भी जाने जाते हैं। निवेशकों में ये फंड भी काफी लोकप्रिय माने जाते हैं। पिछले 10 सालों में ईएलएसएस या टैक्स-सेविंग म्यूचुअल फंडों का रिटर्न काफी अच्छा रहा है। करीब चार टैक्स-सेविंग म्यूचुअल फंड स्कीमों ने हर महीने 30,000 रुपये के एसआईपी निवेश को इस अवधि में 1 करोड़ रुपये में बदल दिया है। आंकड़ों के अनुसार इस दौरान लगभग 26 ईएलएसएस या टैक्स-सेविंग म्यूचुअल फंड मार्केट में हैं। टैक्स सेविंग या ईएलएसएस स्कीमों की सलाह उन निवेशकों को दी जाती है कि जो आयकर अधिनियम की धारा 80 सी के तहत टैक्स बचाना चाहते हैं। निवेशक इन स्कीमों में अधिकतम 1.5 लाख रुपये की टैक्स कटौती क्लेम कर सकते हैं। ईएलएसएस फंड तीन साल की लॉक-इन अवधि के साथ आते हैं। इसलिए से अच्छा रिटर्न दे जाते हैं।

●

कई निवेशकों को सिर्फ 10 साल में बना दिया करोड़पति

●

चार टैक्स सेविंग म्यूचुअल फंड स्कीमें कर रही मालामाल

●

ईएलएसएस फंड में तीन साल की लॉक-इन अवधि होती

●

30,000 की मासिक एसआईपी निवेश को 1 करोड़ में बदला

अन्य स्कीमों का रटिर्न

⏭प्रबंधित संपत्ति के आधार पर सबसे बड़ी टैक्स-सेविंग स्कीम एक्सिस ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड ने इस अवधि में 30,000 करोड़ रुपये के मासिक एसआईपी को 75.43 लाख रुपये में बदल दिया। इसने 14.27 फीसदी का एक्सआईआरआर दिया।

⏭ईएलएसएस या टैक्स-सेविंग फंडों ने पिछले 10 सालों में 30,000 रुपये के मासिक निवेश को 69.34 लाख रुपये से 96.60 लाख रुपये के बीच बदला। इन स्कीमों ने 12.69% से 18.90% के बीच एक्सआईआरआर की पेशकश की।

एलएसएस फंड क्या हैं

ईएलएसएस फंड इक्विटी फंड हैं जो अपने कोष का एक बड़ा हिस्सा इक्विटी या इक्विटी से संबंधित उपकरणों में निवेश करते हैं। ईएलएसएस फंड को टैक्स सेविंग स्कीम भी कहा जाता है, क्योंकि वे आयकर अधिनियम की धारा 80 सी के तहत आपकी वार्षिक कर योग्य आय से 150,000 रुपये तक की कर छूट प्रदान करते हैं। जैसा कि नाम से पता चलता है, ईएलएसएसफंड एक इक्विटी-उन्मुख योजना है जिसमें तीन साल की अनिवार्य लॉक-इन अवधि होती है। हाल के वर्षों में, कई करदाताओं ने कर लाभ प्राप्त करने के लिए ईएलएसएसयोजनाओं की ओर रुख किया है। यदि आप ईएलएसएसयोजनाओं में निवेश करते हैं, तो आप 150,000 रुपये की सीमा तक निवेश की गई राशि पर कर छूट का लाभ उठा सकते हैं। इसके अलावा, तीन साल की अवधि के अंत में इस योजना के तहत आपको जो आय होगी, उसे लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन (एलटीसीजी) माना जाएगा और उस पर 10% कर लगेगा (यदि आय 1 लाख रुपये से अधिक है)।

स्कीमों ने बनाया करोड़पति

⏭तेजी से करोड़पति बनाने वालों में क्वांट ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड कैटेगरी में सबसे ऊपर रहा है। इसने पिछले 10 सालों में हर महीने 30,000 रुपये के एसआईपी निवेश को 1.45 करोड़ रुपये में बदल दिया। इसी अवधि में इस स्कीम ने 26.58% का एक्सआईआरआर दिया।

⏭बैंक ऑफ इंडिया ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड ने पिछले 10 सालों में हर महीने 30,000 रुपये के एसआईपी निवेश को 1.10 करोड़ रुपये में बदल दिया। इसने 21.46 फीसदी का एक्सआईआरआर दिया।

⏭सबसे पुराने ईएलएसएस या टैक्स सेविंग फंड एसबीआई लॉन्ग टर्म इक्विटी फंड ने इस दौरान 30,000 रुपये के मासिक एसआईपी को 1.01 करोड़ रुपये में बदल दिया। इसका एक्सआईआरआर 19.75% रहा।

⏭जेएम ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड ने पिछले 10 सालों में 30,000 रुपये के मासिक एसआईपी निवेश को 1 करोड़ रुपये में बदल दिया। एक्सआईआरआर 19.60% रहा।

निवेश के दौरान प्रतिभूति बाज़ार की अस्थिरता का प्रभाव कैसे कम करें

अस्थिरता कम करने का सबसे प्रभावशाली उपाय है विविधीकरण। विविधीकरण अर्थात अपने निवेश को विभिन्न संपत्ति वर्गों, जैसे स्टॉक्स, बॉन्ड, रियल एस्टेट और कमोडिटी आदि के बीच बांट देना। इससे आप बिना प्रभावित हुए अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं।

जानकारी

प्रतीक ओसवाल

प्रतिभूति बाज़ार (स्टॉक मार्केट) में निवेश रोमांचक और भयभीत करने वाला हो सकता है, खासतौर पर नए निवेशकों के लिए। नए निवेशकों के लिए सबसे अधिक चिंता का विषय होता है बाज़ार की अस्थिरता, जो बाज़ार भावों में उतार चढ़ावकी आवृत्ति और सीमा को दर्शाते हैं। दीर्घावधि निवेश में सफलता प्राप्त करने के लिए यह समझना बहुत महत्वपूर्ण है कि बाज़ार भावों की अस्थिरता का प्रभाव कैसे कम किया जाए और उसे कैसे प्रबंधित किया जाए। आइए, हम चर्चा करते हैं कि कैसे एक निवेशक बाज़ार के उतार चढ़ावों सेअधिक प्रभावित हुए बिना आत्मविश्वासपूर्वक निवेश कर सकता है। अस्थिरता निवेश बाज़ार से संबंधी एक शब्द है जो बाज़ार भावों के अप्रत्याशित और तेज उतार चढ़ावों के समय को परिभाषित करता है। अधिकतर, इसे प्रतिफल के मानक विचलन और अस्थाई गिरावट से मापा जाता है। आमतौर पर उन निवेशकों के लिए जो दीर्घअवधि निवेशपर केंद्रित होते हैं, भावों का दैनिक विचलन इतनामायने नहीं रखता, किन्तु 15-20%+ की गिरावट, जो हर कुछ सालों में होती है, उनके डर का सबसे बड़ा कारण है। आइए समझें कि इससे कैसे निपटा जा सकता है।

विविधीकरण

अस्थिरता कम करने का सबसे प्रभावशाली उपाय है विविधीकरण। विविधीकरण अर्थात अपने निवेश को विभिन्न संपत्ति वर्गों, जैसे स्टॉक्स, बॉन्ड, रियल एस्टेट, और कमोडिटी आदि के बीच बाँट देना। यह रणनीति जोखिम को कम कर सकती है,क्योंकि अलग अलग एसेट वर्ग कई बार समान परिस्थिति में अलग प्रदर्शन करते हैं। म्यूचुअल फंड एक ही स्टॉक में निवेश के जोखिम को कम करते हैं, और संपत्ति का आवंटन संपत्ति वर्ग के जोखिम को। परंतु दोनों के माध्यम से, निवेशक अस्थिरता के प्रभाव को व्यापक तौर पर कम कर सकते हैं। इसके दूसरे तरीकों में शामिल हैं।

हाइब्रिड फंड: यह फंड ऋण और इक्विटी निवेशों का मिश्रण होते हैं। ऋण का इक्विटी के साथ मिश्रण हाइब्रिड (मिश्रित) फंडों को वृद्धि और स्थिरता संतुलित करने में सक्षम बनाता है। ऐतिहासिक रूप से,हाइब्रिड रणनीतियों ने तुलनात्मक रूप से अस्थिरता को प्रभावी रूप से कम करते हुए स्थिर प्रतिफल प्रदान किये हैं।

मल्टी-एसेट पोर्टफोलियो : हायब्रिड फंडों से भी एक कदम आगे, मल्टी-एसेट पोट्फोलीओ इक्विटी, अंतर्राष्ट्रीय इक्विटी, ऋण और सोने (गोल्ड) के मिश्रण से बने होते हैं। यह रणनीति विभिन्न ऐसेट वर्गों के बीच निम्न सहसंबद्धता बनाती है, जिससे एक ऐसा मजबूत पोट्फोलीओ बनता है, जो कम अस्थिरता के साथ इक्विटी निवेश के समान प्रतिफल देने में सक्षम होता है। ऊपर दी गई दोनों रणनीतियाँ कम जोखिम के साथ दीर्घ-अवधि में प्रतिफल देती हैं।

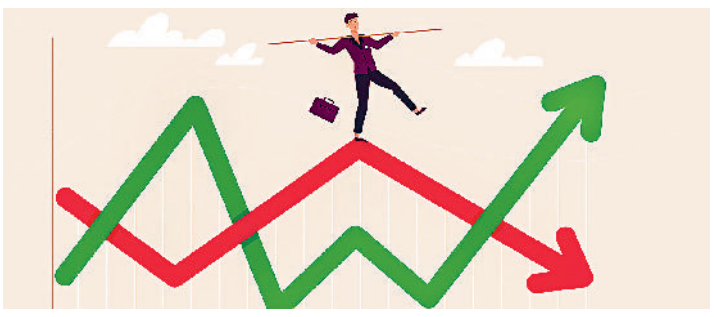

लो वोलेटिलिटी फैक्टर फंड

अस्थिरता कम करने के लिए एक अन्य रणनीति है, निम्न-अस्थिरता वाले लो-वोलेटिलिटी फैक्टर फंडों में निवेश करना। हाइब्रिड और मल्टी-एसेट फंडों, जिनमें निवेशकों को कम जोखिम के बदले प्रतिफल से समझौता करने की जरूरत पड़ सकती है, की तुलना में लो-वॉलेटिलिटी फंड कम अस्थिरता के साथ इक्विटी फंडों के समान प्रतिफल देने का लक्ष्य रखते हैं। यह फंड ऐसे स्टॉक्स पर केंद्रित होते हैं जिनमें व्यापक बाजार के मुकाबले भावों का उतार चढ़ाव कम होता है, जिससे निवेश सुचारू रूप से होता है। लो- वॉलेटीलिटी इंडेक्स फंड: यह फंड उनकी पिछले समय की अस्थिरता के आधार पर स्टॉकों का चयन करते हैं, जिनका उद्देश्य ऐसा पोट्फोलीओ बनाना होता है, जिसमें भावों का तेज उतार चढ़ाव कम होता हो। लो-वॉलेटिलिटी फंडों ने पारंपरिक इक्विटी फंडों के समान प्रतिफल देने की संभावना दिखाई है और इनमें जोखिम भीकम होता है। यह उन रूढ़िवादी निवेशकों के लिए आकर्षक फंड होते हैं, जो इक्विटी के समान प्रतिफल प्राप्त करना चाहते हैं।

निवेश दायरा बढ़ाना

जितने समय के लिए आप निवेश रोकते हैं, वह आप पर अस्थिरता के प्रभाव को प्रभावित करता है। लघु अवधि निवेश बाजार के उतार चढ़ाव के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं, जबकि दीर्घ अवधि के लिए किए गए निवेश से इन उतार चढ़ावों का प्रभाव कम हो जाता है, जिससे व्यापक रूप से जोखिम कम होता है।

निवेश दायरा: शोधों से पता चलता है कि प्रतिफल की अस्थिरता लंबी निवेश अवधि के साथ कम होती जाती है। उदाहरण के लिए, 1-6 वर्षों की शुरुआती अवधि के लिए प्रतिफल की अस्थिरता महत्वपूर्ण रूप से उच्च होती है परंतु यह 6 से 7 वर्षों के बाद महत्वपूर्ण रूप से कम भी हो जाती है। यहाँ तक कि उच्च रूप से अस्थिर माइक्रो कैप स्टॉक्स भी निवेश अवधि बढ़ाने पर कम प्रतिफल अस्थिरता दर्शाते हैं।

एसआईपी में निवेश: बाज़ार परिस्थितियों पर ध्यान न देते हुए नियमित रूप से निवेश भी अस्थिरता के प्रभाव को कम कर सकता है। यह योजनाएं भाव कम होने पर अधिक शेयर खरीदने और भाव बढ़ने पर कम शेयर खरीदने की स्वतंत्रता देती हैं, जिससे कि समय के साथ साथ खरीद की लागत औसत होती जाती है।

बाज़ार रुझानों पर कम ध्यान देना

बाज़ार के लघु अवधि के रुझानों पर ध्यान देने से अस्थिरता का प्रभाव व नुकसान, दोनों की मात्रा अधिक हो सकती है। इसके स्थान पर, एक दीर्घ-अवधि निवेश रणनीति पर ध्यान दें और बाज़ार के उतार-चढ़ाव से प्रभावित होकर आवेगपूर्ण निर्णय लेने से बचें।

मार्केट टाइमिंग जोखिम: शोध से पता चलता है कि ऐसेट आवंटन निर्णय मार्केट टाइमिंग या व्यक्तिगत सिक्युरिटी चयन की तुलना में दीर्घ अवधि निवेश प्रदर्शनों को अधिक प्रभावित करते हैं। इसलिए, अच्छी सोची समझी एसेट आवंटन रणनीति मार्केट टाइमिंग के अनुसार निर्णय लेने के मुकाबले बेहतर परिणाम दे सकती है।

सामयिक पोर्टफोलियो समीक्षा

नियमित रूप से पोट्फोलीओ की समीक्षा अनिवार्य है, परंतु अपने निवेशों की समीक्षा बार बार करने से बचना भी महत्वपूर्ण है। अधिक बारसमीक्षा करने से भावनात्मक निर्णय लेने की संभावना बढ़ जाती है और अस्थिरता से प्रभावित होने की भी।

समीक्षा आवर्तन: आवधिक समीक्षा, जैसे त्रैमासिक या अर्द्धवार्षिक, की सलाह दी जाती है। यह तरीका दीर्घ अवधि लक्ष्य पर केंद्रित रहने के लिए मदद करता है और लघु अवधि उतार चढ़ाव के कारण होने वाली चिंता कम कम करता है।

निष्कर्ष: स्टॉक बाज़ार में अस्थिरता का प्रभाव कम करने की रणनीतियों में जानकारी युक्त निर्णय लेना, निवेश का विविधीकरण, निवेश दायरा बढ़ाना, बाज़ार रुझानों पर ध्यान न देना, पोर्टफोलियो की सामयिक समीक्षा और लो-वॉलेटिलिटी फैक्टर फंडों पर ध्यान देना शामिल है। इन रणनीतियों को अपनाकर, बाज़ार में निवेश कर सकते हैं।

(लेखक पैसिव फंड व्यवसाय, मोतीलाल ओसवाल एएमसी के प्रमुख हैं)

कई म्यूचुअल फंड स्कीमों ने निवेशक कर दिए मालामाल

23 स्कीमों में एक साल में मिला 60 फीसदी से ज्यादा रिटर्न
क्वांट वैल्यू फंड 75.85% रिटर्न के साथ पहले स्थान पर रहा
क्वांट मिड कैप फंड 74.72% रिटर्न के साथ दूसरे स्थान पर

सुझाव

बिजनेस डेस्क

इस साल म्यूचुअल फंड की स्कीमों ने निवेशकों को मालामाल कर दिया। इन स्कीमों ने 60 फीसदी से अधिक रिटर्न दिया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक पिछले एक साल में इक्विटी म्यूचुअल फंड की 23 स्कीमों ने 60 फीसदी से ज्यादा रिटर्न दिया है। रिपोर्ट में किए गए विश्लेषण में 249 इक्विटी म्यूचुअल फंडों को शामिल किया गया था, जिन्होंने बाजार में एक साल पूरा कर लिया है। सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाले दो फंड क्वांट म्यूचुअल फंड के थे। इसमें क्वांट वैल्यू फंड सबसे ऊपर रहा, जिसने पिछले एक साल में 75.85 फीसदी रिटर्न दिया। इसी अवधि में क्वांट मिड कैप फंड ने 74.72 फीसदी रिटर्न दिया। आईटीआई मिड कैप फंड ने पिछले एक साल में 72.53 फीसदी रिटर्न दिया। बंधन स्मॉल कैप फंड और जेएम मिडकैप फंड ने इसी अवधि में 71.45 फीसदी और 70 फीसदी रिटर्न दिया। क्वांट स्मॉल कैप फंड और महिंद्रा मनुलाइफ स्मॉल कैप फंड ने एक साल में 66.42% और 66.04% रिटर्न दिया। जेएम म्यूचुअल फंड की दो स्कीमों-जेएम फ्लेक्सीकैप फंड और जेएम वैल्यू फंड ने पिछले एक साल में 64.40% और 64.23% रिटर्न दिया। फ्रैंकलिन इंडिया स्मॉलर कंपनीज फंड ने इसी अवधि में 60.98% रिटर्न दिया। मोतीलाल ओसवाल मिडकैप फंड और एचएसबीसी मल्टी कैप फंड से इसी अवधि में 60.89% और 60.79% रिटर्न मिला। ध्यान देने वाली बात यह है कि किसी भी इक्विटी म्यूचुअल फंड कैटेगरी की सबसे बड़ी स्कीमों ने पिछले एक साल में 60% से ज्यादा रिटर्न नहीं दिया है।

पांच क्वांट म्यूचुअल फंड

बेहतर रिटर्न देने वाली इन 23 स्कीमों में से पांच क्वांट म्यूचुअल फंड और तीन-तीन जेएम म्यूचुअल फंड और एचएसबीसी म्यूचुअल फंड की हैं। दो-दो महिंद्रा मनुलाइफ म्यूचुअल फंड और आईटीआई म्यूचुअल फंड से हैं। एक-एक स्कीम बंधन म्यूचुअल फंड, बैंक ऑफ इंडिया म्यूचुअल फंड, फ्रैंकलिन टेम्पलटन म्यूचुअल फंड, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड, इन्वेस्को म्यूचुअल फंड, कोटक म्यूचुअल फंड, मोतीलाल ओसवाल म्यूचुअल फंड, निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड से हैं।

बाकी का कैसा प्रदर्शन

बाकी 226 इक्विटी म्यूचुअल फंडों ने पिछले एक साल में 18.86% और 59.90% के बीच रिटर्न दिया। एचडीएफसी मिड-कैप अपॉर्चुनिटीज फंड ने इसी अवधि में 55.10% रिटर्न दिया। यह प्रबंधित संपत्ति के आधार पर सबसे बड़ा मिड कैप फंड है। प्रबंधित संपत्ति के आधार पर सबसे बड़े ईएलएसएस फंड एक्सिस ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड ने पिछले एक साल में 29.48% रिटर्न दिया। पराग पारिख फ्लेक्सी कैप फंड ने इसी अवधि में 36.83% रिटर्न दिया। यह प्रबंधित संपत्ति के आधार पर सबसे बड़ा फ्लेक्सी कैप फंड है।

सभी कटेगरी शामिल दे रही बढ़िया मुनाफा

विश्लेषण में सभी इक्विटी म्यूचुअल फंड कैटेगरी जैसे लार्ज कैप, फ्लेक्सी कैप, मिड कैप, लार्ज एंड मिड कैप, स्मॉल कैप, फोकस्ड फंड, ईएलएसएस, मल्टी कैप, वैल्यू और कॉन्ट्रा फंड शामिल किए गए थे। हालांकि यह ध्यान रखें की विश्लेषण के आधार पर निवेश या निकासी के फैसले नहीं लेने चाहिएं। निवेश का कोई भी फैसला लेने से पहले हमेशा अपनी जोखिम उठाने की क्षमता, निवेश की अवधि और लक्ष्य पर विचार करना चाहिए। इसके बाद ही निवेश के क्षेत्र में कदम रखना चाहिए। हर साल में अलग-अलग म्यूचुअल फंड का प्रदर्शन अलग-अलग हो सकता है। इसलिए निवेश करने से पहले बाजार के बारे में जानकारी जुटा लें। इससे आपको निवेश करने में आसानी रहेगी और रिस्क भी खत्म होगा। हालांकि म्यूचुअल फंड में लंबे समय तक निवेश करना लाभकारी माना गया है। इसलिए म्यूचुअल फंड में निवेश करते समय आरगेट लंबा रखें, तभी अच्छा मुनाफा मिल सकेगा।

इन स्कीमों का दमदार प्रदर्शन

स्कीम	रिटर्न (%)
क्वांट वैल्यू फंड	75.85
क्वांट मिड कैप फंड	74.72
आईटीआई मिड कैप फंड	72.53
बंधन स्मॉल कैप फंड	71.45
जेएम मिडकैप फंड	70.00
क्वांट लार्ज एंड मिड कैप	68.10
बैंक ऑफ इंडिया फ्लेक्सी कैप	67.21
आईटीआई स्मॉल कैप फंड	67.02
क्वांट स्मॉल कैप फंड	66.42
महिंद्रा मैनुलाइफ स्मॉल कैप फंड	66.04
इनवेस्को इंडिया फोकस्ड फंड	65.02
जेएम फ्लेक्सीकैप फंड	64.40
जेएम वैल्यू फंड	64.23
एचएसबीसी मिडकैप फंड	64.21
आईसीआईसीआई प्रू मिडकैप फंड	62.74
महिंद्रा मैनुलाइफ मिड कैप फंड	62.48
क्वांट फ्लेक्सी कैप फंड	61.57
एचएसबीसी वैल्यू फंड	61.20
निप्पॉन इंडिया ग्रोथ फंड	61.07
कोटक मल्टीकैप फंड	60.98
फ्रैंकलिन इंडिया स्मॉलर कॉस फंड	60.98
मोतीलाल ओसवाल मिडकैप फंड	60.89
एचएसबीसी मल्टी कैप फंड	60.79

खबर संक्षेप

कारखाने में लगी आग को बुझाया

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली के नांगलोई इलाके में प्लास्टिक बैग बनाने वाले एक कारखाने में लगी आग को छह घंटे के अभियान के बाद शनिवार तड़के बुझा दिया गया। दिल्ली अग्निशमन सेवा के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि कारखाने में शुक्रवार रात करीब नौ बजे आग लगी थी, हालांकि, इस घटना में किसी के घायल होने की कोई सूचना नहीं है। बताया कि घटनास्थल पर शीतलन अभियान जारी है। अधिकारी ने बताया कि कारखाने में आग लगने की सूचना मिलने के बाद दमकल की कम से कम 28 गाड़ियों को मौके पर भेजा गया और तड़के साढ़े तीन बजे तक आग पर काबू पा लिया गया।

महत्वाकांक्षी डोर स्टेप योजना की सेवाएं बंद

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार की महत्वाकांक्षी डोर स्टेप योजना के अंतर्गत संचालित फोन नंबर 1076 का बिल ना भरने के कारण संबंधित सभी सेवाएं बंद हो चुकी है और दिल्ली सरकार की तरफ से कोई संज्ञान नहीं लिया गया है। सामाजिक कार्यकर्ता हरपाल सिंह राणा ने यह जानकारी देते हुए बताया कि उनके पास सरकार की योजनाओं की जानकारी और उनका लाभ उठाने लिए जरूरतमंद लोग आते रहते हैं लेकिन अब सभी लोग परेशान हैं। हरपाल राणा ने बताया कि दिल्ली सरकार के द्वारा नागरिकों को सुविधाएं देने के लिए डोर स्टेप डिलीवरी योजना आरंभ की गई थी।

किराड़ी जिला कांग्रेस कमेटी की बैठक

नई दिल्ली। आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर अभी से तैयारी में लगी दिल्ली कांग्रेस में अब संगठन को लेकर आज कल बैठकों का दौर चल रहा है। इसी कड़ी में शनिवार को दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने प्रदेश कार्यालय में किराड़ी जिला अध्यक्ष व ब्लॉक अध्यक्षों के साथ बैठक की। बैठक में यादव के अलावा जिला अध्यक्ष व पूर्व विधायक सुरेंद्र कुमार व अन्य मौजूद थे। बैठक में अध्यक्ष यादव ने आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर चर्चा करते हुए संगठन को और मजबूत बनाने को लेकर कुछ दिशा निर्देश भी दिए। यादव ने पार्टी हाईकमान की तरफ से संगठनात्मक तौर पर दी गई सभी कार्य योजनाओं को पूरी ईमानदारी व सक्रियता से क्रियान्वित करने के निर्देश दिए।

गोहाना में सीएम की रैली के लिए सुबह रवाना हो गई थी बसें

संत कबीर की रैली में विभाग ने भेजी 55 बसें, भटकते रहे यात्री

बस अड्डे पर पहुंचने वाले यात्री घंटों बसों का इंतजार कर वापस लौटे

निजी वाहनों पर ही रहना पड़ा निर्भर

हरिभूमि न्यूज ⏭|सोनीपत

जिले के गोहाना में संत कबीरदास की रैली में सोनीपत रोडवेज बेड़े से 55 बसें प्रशासनिक ड्यूटी के लिए भेज दिया गया। विभिन्न रूटों पर जाने वाले यात्रियों को बसें नहीं मिलने से परेशानियों का सामना करना पड़ा। बस अड्डे पर पहुंचने वाले यात्री घंटों बस का इंतजार कर वापस लौटते रहे। दिन भर यही स्थिति बनी रही। देर शाम को रैली समाप्त होने के बाद रैली में आने वाले लोगों को छोड़कर वापिस बसें लौटी। दिन भर दैनिक यात्रियों को परेशानी का सामना करने पर मजबूर होना पड़ा। बता दें कि गोहाना अनाज मंडी में संत कबीरदास रैली का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर प्रदेश के मुख्य मंत्री नायब सिंह सैनी पहुंचे। रैली में भीड़ जुटाने के लिए गांव-गांव से लोगों को आने व वापिस छोड़कर आने के लिए विभाग की तरफ से सोनीपत रोडवेज विभाग से 55 बसें रैली के लगाई गई। जिसके चलते सोनीपत डिपो से रोडवेज की 45 बसें, वहीं गोहाना से 10 बसें रैली के लिए लगाई गई। ऐसे में बस अड्डे पर दिन भर बसें कम नजर नहीं आई। विभिन्न रूटों पर जाने वाले यात्रियों को लंबे इंतजार के बाद भी बसें नहीं मिलने से निजी वाहनों पर ही निर्भर रहना पड़ा।

सोनीपत। सोनीपत बस अड्डे पर पसरा सन्नाटा। *फोटो :हरिभूमि*

परिवहन विभाग से मिले निदेर्शों का पालन किया

परिवहन विभाग से मिले निदेर्शों के अनुसार प्रशासनिक ड्यूटी के लिए बसों को रवाना कर दिया था। हालांकि यह बसें शाम को वापस लौट आई। बसें कम होने से कई रूटों पर परिवहन सेवाएं लेट-लतीफी से चली। हालांकि शेष बसों से यात्रियों को बेहतर परिवहन सेवाएं देने का प्रयास किया गया है।

सुरेंद्र सिंह, एसएस, रोडवेज डिपो, सोनीपत।

ये रही स्थिति

सोनीपत जिले के रोडवेज बेड़े में 218 बसें हैं। वहीं किलोमीटर स्कीम की 63 बसें है। शनिवार को विभाग की तरफ से 45 बसों को सोनीपत डिपों व 10 बसों को गोहाना सब डिपो से रैली में भीड़ जुटाने के लिए लोगों को गांव से लाने के लिए लगा दिया गया। लंबे व ग्रामीण क्षेत्र के रुटों पर बसों की कमी देखने को मिली। जिसके चलते दैनिक यात्रियों को परेशानी का सामना करने पर मजबूर होना पड़ा।

एंबुलेंस पॉसिंग कराने में हजारों की गड़बड़ी करने का आरोप

- अनुबंध पर अस्पताल में कार्यरत रहे फ्लीट मैनेजर व ऑपरेटर पर विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭|सोनीपत

सेक्टर-27 शहर थाना क्षेत्र स्थित नागरिक अस्पताल में रेफरल ट्रांसपोर्ट के तहत चलाई जा रही एम्बुलेंस की पासिंग कराने में गड़बड़ी कर 42880 रुपये का गबन किया गया था। गबन का आरोप अस्पताल के रेफरल ट्रांसपोर्ट विभाग में अनुबंध पर कार्यरत फ्लीट मैनेजर व ऑपरेटर पर लगा था। उन पर पासिंग कराते समय सरकार से निर्धारित फीस की पर्चियों में धांधली का आरोप था। जिला स्वास्थ्य अधिकारी की तरफ से बनाई कमेटी ने जांच कर माना था कि गड़बड़ी की गई है। जिसके बाद उपायुक्त ने दोनों की सेवा का अनुबंध समाप्त कर दिया था। कार्यालय से पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने इस संबंध में आरोपितो के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। जिला स्वास्थ्य अधिकारी की तरफ से पुलिस आयुक्त पश्चिम को 2 अप्रैल को पत्र लिखा गया था। जिसमें अस्पताल में अनुबंध आधार पर कार्यरत दो कर्मियों पर सरकारी दस्तावेजों के साथ छेड़छाड़ करने, फर्जी दस्तावेज का इस्तेमाल करने, धोखाधड़ी कर स्वास्थ्य विभाग में 42,880 रुपये का गबन करने का आरोप लगाया था। उन्होंने पत्र में लिखा था रेफरल ट्रांसपोर्ट विभाग में अनुबंध पर फ्लीट मैनेजर प्रवीन व ऑपरेटर रवि कार्यरत थे। उनके कार्यालय में 18 दिसंबर, 2023 को भैंसवाल निवासी प्रदीप ने ई-मेल से शिकायत दी थी। जिसमें रेफरल ट्रांसपोर्ट के तहत चलाई जा रही एंबुलेंस की पासिंग करवाते समय सरकार की तरफ से निर्धारित फीस की पर्चियों में धांधली कर विभाग में देने का आरोप लगाया था। जिस पर जिला स्वास्थ्य अधिकारी ने 19 दिसंबर, 2023 को इसकी जांच के लिए कमेटी बनाई थी। 27 दिसंबर, 2023 को तीन सदस्यीय जांच कमेटी ने कागजात के आधार पर जांच कर अपनी रिपोर्ट सौंपी थी। जिसमें 42880 रुपये के गबन का आरोप सही मिला था। इस पर 4 व 9 जनवरी को दोनों आरोपितो को सुनवाई के लिए बुलाया गया था।

गंभीरता से जांच जारी

जिला स्वास्थ्य अधिकारी की तरफ से शिकायत मिली है। इस संबंध में दोनों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। जल्द से जल्द आरोपित के खिलाफ आगामी कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

जयभगवान, प्रभारी सेक्टर-27 थाना।

अनुबंध समाप्त करने के साथ रिकवरी कर चुका विभाग

जिला स्वास्थ्य अधिकारी ने पुलिस को बताया था कि जांच रिपोर्ट में दोषी मिलने पर दोनों कर्मियों का अनुबंध समाप्त कर दिया था। उनकी रिपोर्ट उपायुक्त को सौंपी गई थी। जिन्होंने तथ्यों के आधार पर दोनों की सेवा का अनुबंध समाप्त करने का निर्णय दिया था। जिसके बाद दोनों की सेवा समाप्त की गई थी। साथ ही गबन की राशि की रिकवरी भी कर ली गई थी।

पार्क के सौंदर्यीकरण के लिए लगवाए पशु-पक्षियों के प्रारूप

- रोटरी क्लब मिडटाउन की पहल प्रेसिडेंट रविंद्र ने किया उद्घाटन

हरिभूमि न्यूज ⏭|सोनीपत

रोटरी क्लब सोनीपत मिडटाउन ने सोनीपत माडल टाउन पार्क में सौंदर्यकर्ण के लिए सार्थक पहल की है। क्लब की ओर से पार्क में पशु पक्षियों के प्रारूप लगवाए गए हैं, जिसका उद्घाटन क्लब प्रेसिडेंट रवीन्द्र भारद्वाज द्वारा किया गया। रविंद्र भारद्वाज ने बताया कि हम अपने आसपास की संपति जोकि हमारी सहूलियत के लिए है उसकी देखभाल करे और अपने शहर को साफ सुथरा रखे। क्लब की ओर से पार्क में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में शहरवासियों के लिये योग सत्र का भी आयोजन किया गया। सभी लोगो को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया और योग के महत्व के बारे में बताया गया। इस अवसर पर संदीप जेटली, राजीव सेठ, पुलकित जैन, मुख्त्यार सिंह, केएल डावरा, राजेश रेलन, समीर पुपनेजा ,भूपेश खन्ना, रेणु सेठ, पुष्पा तिवारी मौजूद रहे।

पशु-पक्षियों के प्रारूपों का उद्घाटन करते क्लब के पदाधिकारी एवं सदस्यगण।

विश्वविद्यालयों का बेड़ा गर्क करने पर तुली सरकार : शुभम नैन

सोनीपत। जननायक जनता पार्टी की छात्र इकाई इनसो के पूर्व जिलाध्यक्ष शुभम नैन ने बयान जारी करते हुए बताया कि गत दिवस यूजीसी ने डिफाल्टर विश्वविद्यालयों की एक सूची जारी की, जिसमें हरियाणा के दो विश्वविद्यालय शामिल हैं। यूजीसी ने इतना बड़ा कदम उठाया है लेकिन हरियाणा सरकार इस पर ध्यान देने की बजाय अपनी कुर्सी बचाने के लिए मीटिंग मीटिंग खेल रही है। शुभम नैन ने कहा कि खेल यूनिवर्सिटी सही तरीके से शुरू भी नहीं हो पाई थी उससे पहले ही डिफाल्टर घोषित कर दी गई यह बहुत ही चिंताजनक है, वो सभी विद्यार्थी आशंकित है जिन्हें इस विश्वविद्यालय में दाखिला लिया था। शुभम नैन ने कहा कि इसके अलावा जो विश्वविद्यालय सुचारू रूप से चले हैं उनमें भी सुविधाओं का टोटा ही दिखाई पड़ता है।

योग से शरीर ही नहीं मस्तिष्क का भी संपूर्ण विकास : कविता

हरिभूमि न्यूज ⏭|खरखौदा

रोहतक मार्ग स्थित श्री चैतन्य टेक्नो स्कूल में योग दिवस विधिवत तरीके से मनाया गया। स्कूल प्राचार्या सीएच कविता, एकेडमिक डीन, विद्यार्थियों व शिक्षकों ने योग क्रियाओं में भाग लिया। इस अवसर पर प्राचार्या ने बताया कि योग के माध्यम से न केवल शरीर स्वस्थ रहता है बल्कि मस्तिष्क का भी विकास होता है। योग क्रियाएं करके अनेक बीमारियों से बचा जा सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों को ऋषि मुनियों द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया। विद्यार्थियों ने प्रतिदिन योग करने के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने की शपथ ली। भविष्य में स्कूल के विद्यार्थियों को योग की तरफ अग्रसरित करने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने स्कूल डायरेक्टर बीआर राव का विशेष रूप से आभार व्यक्त किया।

खरखौदा। योग करते विद्यार्थी व शिक्षक। *फोटो :हरिभूमि*

मुआवजा राशि नहीं मिलने से किसान परेशान, सरकार पर लगाया लापरवाही का आरोप

हरिभूमि न्यूज नई दिल्ली

दिल्ली के उत्तर पश्चिम जिला राजस्व विभाग के अंतर्गत आने वाले किसानों को जमीन अधिग्रहण के तहत मिलने वाली मुआवजा राशि समय से नहीं मिली है जिसके चलते किसानों में रोष है और सरकार पर लापरवाही का आरोप लगाया है। इस बारे में किसान रामकिशन डबास, राम नारायण, दयानंद, विजेंद्र डबास ने बताया कि सरकार हर बार इसी तरह किसानों को परेशान कर रही है। इस मुआवजा राशि से टीडीएस भी काटा जाता है जो पूरी तरह अनुचित है। उन्होंने बताया कि एनएच 344 व यूईआर (दो) के विस्तारीकरण में उत्तर पश्चिम जिला दिल्ली सरकार के अपर जिला मजिस्ट्रेट ने विगत 3 अक्टूबर 2023 को चार गांवों, मोहम्मदपुर मजरी, मदनपुर डबास, रानीखेड़ा एव रसूलपुर की कृषि भूमि का अधिग्रहण किया था जिसके अवार्ड की घोषणा विगत आठ मार्च 2024 को एडीएम ने की थी परंतु इसकी आधिकारिक सूचना किसी किसान को अब तक नहीं मिली। पीड़ित किसानों ने बताया है कि 3 अक्टूबर 2023 से 8 मार्च 2024 तक किसानों को मुआवजे पर मात्र 158 दिन का ब्याज देकर इस कार्य को अधिकारियों ने ठंडे बस्ते में डाल दिया। अब किसान पहले की तरह मुआवजा लेने के लिए वकीलों की सहायता लेंगे सारे डाक्यूमेंट्स दोबारा से तैयार करेंगे तब कहीं जाकर एक दो महीने में किसानों को मुआवजा मिलेगा लेकिन अवार्ड की घोषणा से अब तक चार महीने से अधिक का समय हो जाएगा।

निजीकरण कर शिक्षा से अपना पल्ला झाड़ना चाहती है दिल्ली सरकार : एनडीटीएफ

हरिभूमि न्यूज ⏭|नई दिल्ली

अतिरिक्त संसाधनों पर दिल्ली सरकार साधे हुए है चुप्पी

नई शिक्षा नीति के तहत चार वर्षीय पाठ्यक्रम लागू करने से अतिरिक्त संसाधन और शिक्षक पद की आवश्यकता है लेकिन दिल्ली सरकार चुप्पी साधे हुए है। बारह कॉलेजों का बुनियादी ढांचा चरमरा रहा है लेकिन उसकी ओर भी कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। लैब, लाइब्रेरी और बिल्डिंग से लेकर अन्य संसाधनों के लिए कोई अतिरिक्त वित्तीय सहायता नहीं दी जा रही है।

- दिल्ली सरकार का एजेंडा शिक्षा का स्ववित्त पोषण और निजीकरण

दिल्ली सरकार शिक्षा को स्ववित्त पोषित कर उसका पूर्णत निजीकरण कर शिक्षा से अपना पल्ला झाड़ना चाहती है। दिल्ली सरकार द्वारा दिल्ली कौशल एवं उद्यमिता विश्वविद्यालय में प्रतिवर्ष दस % फीस वृद्धि की आलोचना करते नेशनल डेमोक्रेटिक टीचर्स फ्रंट (एनडीटीएफ) ने शनिवार को यह बयान जारी किया। संगठन की ओर से जारी बयान में महासचिव प्रो .वी एस नेगी और प्रेस प्रभारी प्रो .बिजेंद्र कुमार ने कहा गया है कि दिल्ली सरकार पिछले चार पांच साल से बारह कॉलेजों में जानबूझ कर वेतन एवं अन्य वित्तीय अनुदान प्रदान करने में निरंतर बाधाएं उत्पन्न करती आ रही है ताकि इनको अपनी यूनीवर्सिटी के अधीन लिया जा सके। एनडीटीएफ ने यूजीसी और दिल्ली विश्वविद्यालय से इन बारह कॉलेजों को तुरंत अपने अधीन लेने की मांग करते हुए इनमें शिक्षकों और कर्मियों की स्थाई भर्ती प्रक्रिया शुरू करने की मांग की है। एनडीटीएफ ने कहा है कि दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध बारह कॉलेजों में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के आरक्षण के परिणामस्वरूप पच्चीस प्रतिशत सीटों की वृद्धि हुई लेकिन दिल्ली सरकार ने कोई अतिरिक्त संसाधन और वित्तीय सहायता उपलब्ध नहीं कराई।

30 जून तक संपत्ति कर जमा कराएं एवं छूट का लाभ उठाएं : पूर्व महापौर

हरिभूमि न्यूज ⏭|नई दिल्ली

दिल्ली नगर निगम को 30 जून तक संपत्ति कर जमा कराए एवं छूट का लाभ उठाएं। दिल्ली नगर निगम के पूर्व महापौर जय प्रकाश ने शनिवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि लोगों को राहत देने के लिए सदर विधानसभा क्षेत्र में जगह-जगह संपत्ति कर शिविर जारी रहेंगे। सदर विधानसभा के शास्त्री नगर मंडल में पूर्व मंडल अध्यक्ष विशंभर वशिष्ठ, सुरेंद्र गोयल, अतुल जैन, अनुज शर्मा, मनीष कनौजिया एवं पूर्व जिला महामंत्री हरिकिशन गुप्ता सहित सभी साथियों ने मिलकर क्षेत्र की जनता के लिए 3 दिन का संपत्ति कर शिविर लगाया। पिछले दो दिन में शास्त्री नगर के अंदर शिविर में लोगों का हुजूम देखने को मिला है। जिसमें निगम को भारी राजस्व की प्राप्ति भी हुई है। पूर्व महापौर जयप्रकाश ने बताया कि भाजपा के सभी कार्यकर्ता हमेशा सेवा सुशासन और जन कल्याण के कामों में लगे रहते हैं एवं देशहित और क्षेत्रहित के कार्यों में बढ़- चढ़ कर भाग लेते हैं। देश के प्रधानमंत्री का जो मूल मंत्र है सबका साथ सबका विकास इसका अर्थ है कि देश की जनता के लिए हमेशा समर्पण भाव से काम करना। जयप्रकाश ने क्षेत्र की जनता से अपील की संपत्ति कर जमा करने की अंतिम तिथि 30 जून है। सब अपनी संपत्ति कर जमा कर छूट का लाभ उठाएं।

संत कबीरदास की जयंती पर संगोष्ठी का आयोजन

नई दिल्ली। फोरम ऑफ एकेडेमिक्स फॉर सोशल जस्टिस (शिक्षक संगठन) के तत्वावधान में शनिवार को दिल्ली विश्वविद्यालय के उत्तरी परिसर में "संत कबीर आज क्यों प्रासंगिक हैं" विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए फोरम के चेयरमैन डॉ. हंसराज सुमन ने बताया कि मध्ययुगीन भक्तिकाल में ज्ञानमार्गी निर्गुण भक्ति शाखा के प्रमुख कवि, सामाजिक क्रांति के अग्रदूत, महान संत कबीर के 626 वें प्रकटोत्सव दिवस के अवसर पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। इसके बाद परिचर्चा में समाजसेवियों, कबीर पंथ के अनुयायियों, एवं विभिन्न विद्वानों ने कबीर पर अपने महत्वपूर्ण विचार व्यक्त किए।

PUBLICE NOTICE

Reg: Plot No. 14P, Sector-53, Phase-V under R&R Policy at I.E., Kundli

Plot No 14P, Sector 53, Phase-V under R&R Policy at I.E. Kundli measuring 350 sq. meter was allotted by the Corporation to Sh. Jal Bhagwan S/o Sh. Kehar Singh, Village Sersa, Sub Tehsil Rai Distt. Sonipat-131028 vide Regular Letter of Allotment (RLA) dated 04.10.2016. The legal heirs of Late Sh. Jai Bhagwan S/o Sh. Kehar Singh namely Smt. Krishna (wife), Smt. Rajni, Smt. Garima, Smt. Upasana (daughters) & have approached the Corporation for transfer of plot in question in favour of legal heirs Sh. Ravinder & Sh. Jitender both sons of late Sh. Jal Bhagwan, H.No. 296, Village Sersa, Sub Tehsil Rai Distt. Sonipat-131028. In this regard the Corporation is in process of considering their request & transferring the said plot in favour of Sh Ravinder & Sh. Jitender both sons of late Sh. Jai Bhagwan.
Through this public notice it is hereby informed that any person having reservation/objection to said transfer may file his/her objection in writing before the undersigned alongwith an affidavit within a period of 30 days from the date of publication of this notice. In case no response is received within the aforesaid period, it will be presumed that nobody has any objection to transfer of the said plot and the Corporation shall go ahead with transfer of plot in favour of Sh. Ravinder & Sh. Jitender both sons of late Sh. Jai Bhagwan.

Sd/-Estate Managerer
For & behalf of
Haryana State Industrial and Infrastructure Dev Corpn. Ltd
Branch Office Industrial Estate Kundli
Ph:0130-2370846.

बाबा रूढेनाथ का राई औद्योगिक क्षेत्र में हवन कर लगाया भंडारा

हवन में आहुति देने से आसपास का पर्यावरण शुद्ध : पुनीत

हरिभूमि न्यूज ⏭|राई

ज्येष्ठ की पूर्णिमा पर राई औद्योगिक क्षेत्र में बाबा रूढेनाथ का 13 वां विशाल भंडारा निगम पार्षद एवं भाजपा जिला उपाध्यक्ष पुनीत राई ने लगाया। भंडारे में आसपास के गांवों के काफी संख्या में प्रसाद ग्रहण किया। इससे पहले क्षेत्र की सुख शांति के लिए हवन यज्ञ किया गया। सबसे पहले सतनारायण भगवान की कथा हुई। हवन यज्ञ में पुनीत राई व अन्य महिला व पुरूषों ने आहुति डालकर क्षेत्र की जगत कल्याण व सुख शांति की कामना की। निगम पार्षद एवं भाजपा उपाध्यक्ष पुनीत राई ने बताया कि औद्योगिक क्षेत्र में हर साल भंडारे का आयोजन किया जाता है। हवन में आहुति डालने से आसपास का पर्यावरण भी शुद्ध होता है। इसके साथ ही हवन कुंड की अग्नि के द्वारा देवताओं का प्रसन्न किया जाता है। उस स्थान के आसपास का वातारवण शुद्ध होने के साथ रोग उत्पन्न करने वाले कीटाणु नष्ट होते है। पुनीत राई ने कहा कि शास्त्रों में कहा गया हैं कि आसपास के वातावरण की शुद्धिकरण करने के लिए किया जाने वाला महत्वपूर्ण कर्मकांड है।

राई। निगम पार्षद एवं भाजपा नेता पुनीत राई हवन के दौरान संतो का आशीर्वाद लेते हुए।

राई। हवन के बाद निगम पार्षद पार्षद पुनीत राई भंडारे में सेवाएं देते हुए। *फोटो :हरिभूमि*

- हवन यज्ञ में पुनीत राई व अन्य महिला व पुरूषों ने आहुति डालकर क्षेत्र के जगत कल्याण व सुख शांति की कामना की।
- निगम पार्षद एवं भाजपा उपाध्यक्ष पुनीत राई ने बताया कि औद्योगिक क्षेत्र में हर साल भंडारे का आयोजन किया जाता है।
- हवन कुंड की अग्नि से रोग उत्पन्न करने वाले कीटाणु नष्ट

ये रहे मौजूद

इस मौके पर पूर्व सांसद रमेश कौशिक, देवेन्द्र कौशिक, मुख्यमंत्री के ओएसडी विरेन्द्र बढ़खालसा, भाजपा नेता राजीव जैन, रविश कौशिक, विधायक मोहनलाल के बेटे विरेन्द्र कौशिक, नगरपालिका गन्नौर चेयरमैन अरूण त्यागी, सरपंच मेहश त्यागी, सभी निगम पार्षद व गणमान्य लोग मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

संत कबीरदास को किया नमन, दी श्रद्धांजलि

गोहाना। शहर में ठसका रोड स्थित कबीर बस्ती में शनिवार को संत कबीरदास की जयंती मनाई गई। समारोह में नागरिकों ने संत कबीरदास के चित्र पर पुष्प अर्पित करके नमन करते हुए श्रद्धांजलि दी। समारोह के मुख्यातिथि वरिष्ठ कांग्रेस नेता प्रदीप चहल थे। चहल ने कहा कि संत कबीरदास जाति-पाति, ऊंच-नीच और छूआछात में विश्वास नहीं रखते थे। वे एक मुखर संत व कवि थे। उनको सामाजिक क्रांति का अग्रदूत माना जाता है। समारोह में बाबा सुरेंद्र नाथ, राममेहर, दीपू चहल, सुमित, सतनाम, विकास, मनोज, अमन इंदौरा, अंकित, नीरज, कुनाल, प्रवेश, राजबीर और सत्ते दूहन आदि मौजूद रहे।

प्लाजा के बाहर खड़ा दो-पहिया वाहन चोरी

सोनीपत। कुंडली थाना क्षेत्र में प्लाजा के बाहर खड़े दो-पहिया वाहन के चोरी होने का मामला सामने आया है। शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस सीसीटीवी की रिकार्डिंग खंगाल रही है। गांव सेवली के आशीष ने बताया कि वह असंल प्लाजा में नौकरी करता है। बाइक से डयूटी गया था । किसी ने उसकी बाइक को चोरी कर लिया। अपने स्तर पर बाइक की तलाश की, लेकिन कोई सुराग हाथ नहीं लग पाया। मामले को लेकर पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने इस संबंध में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

ट्रैक्टर की चपेट में आने से बच्चे की मौत

सोनीपत। बहालगढ़ थाना क्षेत्र के बहालगढ़-खेवड़ा सड़क मार्ग पर तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्राली की चपेट में आने से सात वर्षीय बच्चा घायल हो गया। उपचार के लिए नागरिक अस्पताल में लाया गया। जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। मामले की सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंच गई और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सुपुर्द कर दिया। गांव फरेंदा उत्तर प्रदेश हाल में बहालगढ़ निवासी राजीव ने बताया कि वह मेहनत-मजदूरी का काम करता है। उसका बेटा रिषब (7) घर से दुकान पर सामान लेने के लिए निकला था। वह खेवड़ा रोड पर अंगुरी अस्पताल के पास पहुंचा। उसी दौरान बहालगढ़ चौक की तरफ से तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्राली ने चपेट में ले लिया।

मोबाइल व जेवरात छीनने में शामिल दो गिरफ्तार

सोनीपत। सेक्टर-27 सोनीपत पुलिस ने मारपीट कर गाड़ी छीनने, मोबाइल फोन व जेवरात छीनने की वारदात में शामिल आरोपित महिला सहित दो को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित योगेश निवासी असावरपुर व महिला सोनीपत की है। पुलिस ने आरोपितो को अदालत में पेश किया। जहां से उन्हें जमानत मिल गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पीड़ित ने पुलिस से सख्त कार्रवाई की मांग की है।

अलग-अलग पार्टियों में कई-कई दावेदार,भाजपा में सबसे ज्यादा दावेदार

लोस में कांग्रेस के पक्ष में चली हवा का रुख मोड़ पाएगी भाजपा

विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए कांग्रेस, भाजपा, इनेलो, जजपा और आप नेताओं ने शुरू की तैयारियां

लोसमें कांग्रेस को मिली थी 12 हजार की बढ़त

हाल ही में संपन्न हुए लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने भाजपा को 21816 मतों से हराया। खरखौदा विधानसभा क्षेत्र की बात करें तो यहां से भी कांग्रेस ने जीत दर्ज की है। कांग्रेस प्रत्याशी सतपाल ब्रह्मचारी को 57148 मत, भाजपा प्रत्याशी मोहनलाल बड़ौली को 44217 मत प्राप्त हुए। इस प्रकार कांग्रेस ने इस क्षेत्र से 12931 मतों से बढ़त हासिल की, जो पिछले लोकसभा चुनाव से लगभग दोगुनी है। बढ़त की बदौलत कांग्रेस आत्मविश्वास से लबरेज है।

पिछली बार 1544 मतों से जीती थी कांग्रेस

2019 के विधानसभा चुनाव में खरखौदा से कांग्रेस उम्मीदवार जयवीर सिंह ने 1544 मतों के अंतर से जीत दर्ज की थी। जयवीर सिंह को 38577 मत मिले थे। वहीं दूसरे नंबर पर जननायक जनता पार्टी प्रत्याशी पवन कुमार को 37033 मत प्राप्त हुए थे। भाजपा प्रत्याशी मीना नरवाल 20542 मतों के साथ तीसरे स्थान पर रही थी। इनेलो उम्मीदवार विनोद चौहान को 789 मत मिले थे। जबकि आम आदमी पार्टी की प्रत्याशी बिंदु मात्र 541मत पर सिमट गई थी।

कुलदीप सिंह ▶▶| खरखौदा

अब जबकि लोकसभा चुनाव संपन्न हो चुके हैं, विधानसभा चुनाव लड़ने को आतुर नेताओं का ध्यान सहज ही चुनाव की तैयारियों पर केंद्रित हो गया है। लोस विजेता दल कांग्रेस द्वारा जहां धन्यवादी बैठकें आयोजित की रहे हैं, वहीं पराजित दल हार के कारणों की समीक्षा करने में जुटे हैं। जबकि विधानसभा लड़ने के इच्छुक टिकट चुनावी मोड आ चुके हैं। बेशक भाजपा के पास संगठनात्मक सुदृढ़ता है। इसके बावजूद उसने अभी तक खरखौदा विधानसभा क्षेत्र से जीत का स्वाद नहीं चखा है। इसके विपरित कांग्रेस जीत की तिकड़ी बनाकर इतिहास रच चुकी है। जननायक जनता पार्टी के अस्तित्व में आने से जहां इनेलो का कुनबा घटा है, वहीं नेताओं में मची भगदड़ से जजपा भी कमजोर पड़ी है। आम आदमी

पार्टी व बहुजन समाज पार्टी अपना अस्तित्व स्थापित करने के लिए संघर्षरत हैं। भाजपा में करीब दस नेता खुद को प्रत्याशी साबित करने के लिए जोर लगा रहे हैं। कांग्रेस में अपेक्षाकृत कम ही नेता सक्रिय हैं। यों भी मौजूदा विधायक जयवीर सिंह को टिकट को लेकर कोई संशय नहीं है।

खरखौदा विधानसभा का चुनावी इतिहास

वर्ष	विजेता	निकटतम प्रतिद्वंद्वी
1967	ब्रह्म सिंह (निर्दलीय)	एस. राम (कांग्रेस)
1968	कंवर सिंह (कांग्रेस)	फूलचंद (निर्दलीय)
1972	फूलचंद (कांग्रेस.ओ)	कंवर सिंह (निर्दलीय)
1977	ओमप्रकाश (जनता पार्टी)	नवल सिंह (कांग्रेस)
1982	भीम सिंह (लोकदल)	शांति देवी (कांग्रेस)
1987	महेंद्र (लोकदल)	रिजकराम (कांग्रेस)
1991	हुक्म सिंह (कांग्रेस)	महेंद्र (जनता पार्टी)
1996	कृष्णा गहलावत (हविपा)	पदम सिंह (समता)
2000	पदम सिंह (इनेलो)	सुखबीर सिंह (आजाद)
2005	सुखबीर सिंह (एनसीपी)	पदम सिंह (इनेलो)
2009	जयवीर सिंह (कांग्रेस)	राजू (इनेलो)
2014	जयवीर सिह (कांग्रेस)	पवन (आजाद)
2019	जयवीर सिंह (कांग्रेस)	पवन (जजपा)

नोट : 2014 से पहले खरखौदा हलका रोहट के नाम से जाना जाता था।

भाजपा में टिकट के दावेदार

भाजपा में अनेक नेता खुद को टिकट का दावेदार प्रदर्शित करने में जुटे हैं। पूर्व प्रत्याशी कुलदीप काकराण, रामनिवास खरखौदा, अनुसूचित जाति आयोग की सदस्य मीना नरवाल, एक बार निर्दलीय व एक बार जजपा टिकट पर चुनाव लड़ कर दूसरे स्थान पर रहे पवन खरखौदा, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य प्रीतम खोखर, जिला पार्षद मंजीत भोला, पूर्व जिला पार्षद रामनिवास रोहणा, कबीरदास समिति के प्रधान हीरालाल इंदौरा, नंबरदार ओमप्रकाश कंवाली, इनेलो के पूर्व प्रत्याशी राजू धानक भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ना चाह रहे हैं।

कांग्रेस में दावेदारों की संख्या कम

कांग्रेस उम्मीदवारों में पहला नाम जयवीर वाल्मीकि का है। नगरपालिका खरखौदा की निवर्तमान पार्षद सुषमा, जिला पार्षद का चुनाव लड़ चुकी अंजू बाला खटक, केंद्र सरकार में अधिकारी रहे भूप सिंह, विजयपाल खटक आदि कांग्रेस टिकट की दावेदारी जता रहे हैं। बता दें कि हलके में सबसे अधिक पांच बार कांग्रेस ने ही फतेह हासिल की है। पिछली तीन बार से तो लगातार जयवीर वाल्मीकि कांग्रेस की टिकट पर चुनाव जीतते आ रहे हैं।

इनेलो, आप व बसपा में केवल दो दो दावेदार

इनेलो की टिकट पाने के लिए पूर्व प्रत्याशी विनोद चौहान व बरोणा के जोरावर जोर लगा रहे हैं। पूर्व प्रत्याशी बिंदु इंजीनियर के अलावा मंजीत फरमाना आम आदमी पार्टी की टिकट के लिए लालायीत हैं। जयनारायण व शादी लाल बसपा टिकट की लाइन में दिखाई दे रहे हैं।

सोनीपत। समारोह में संत कबीर दास को नमन करते हुए सतपाल ब्रह्मचारी, विधायक सुरेंद्र पंवार एवं अन्य। *फोटो : हरिभूमि*

संत कबीरदास मानवता के अमर नायक : ब्रह्मचारी

- संत कबीरदास जी की 627वीं जयंती यूनिक गार्डन में धूमधाम से मनाई गई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत लोकसभा से विजेता पंडित सतपाल ब्रह्मचारी नें कहा कि संत गुरू कबीरदास जी 15वीं सदी के भारतीय रहस्यवादी कवि व संत थे। संत परम्परा के प्रवर्तक संत कबीरदास जी मानवता के अमर नायक है। वे संकीर्ण मानसिकता की दीवार तोड़कर, वैचारिक उद्धारता के साथ विश्व बंधुत्व की भावना से ओत-प्रोत होकर मानवीय एकता का शंखनाद करते है। उनके संदेश वर्ग विशेष और समाज विशेष के लिए नहीं है, बल्कि मानवता की चादर ओढ़ने वाले उन सभी लोगों के लिए है जो भेदभाव विहिन समाज की स्थापना चाहते है। मुरथल रोड स्थित यूनिक गार्डन में आयोजित संत कबीरदास जी की 627वीं जयंती समारोह में सांसद सतपाल ब्रह्मचारी क्षेत्रवासियों को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सोनीपत से विधायक सुरेन्द्र पंवार ने की। विधायक सुरेन्द्र पंवार नें कहा की संत कबीरदास ने हमेशा इंसानियत को सर्वोपरि समझा। संत कबीरदास जी ने उस समय सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ आवाज उठाई, जब समाज सैकड़ों कुरीतियों की बेड़ियों में जकड़ा हुआ था। उनका मानना था कि इंसान जाति, धर्म, वर्ण या वर्ग से नहीं बल्कि अपने गुणों से बनता है। महापुरुषों की जयंती मनाने का उद्देश्य यही है कि आने वाली पीढ़ी अच्छे विचारों को अपने जीवन में धारण करे। सभी धर्म, जाति व समुदायों की धारा भले ही अलग-अलग हो, लेकिन सभी का रास्ता मानवता की ओर जाता है। अपने देश में जितने भी ऋषि-मुनि व महापुरुष हुए हैं, उन सभी ने मानवता का पाठ पढ़ाया है। संत कबीरदास ने सभी धर्मों को एक सूत्र में बांधने का काम किया। अपने जीवनकाल में कई सामाजिक बुराइयों पर जमकर प्रहार किया। संत कबीरदास द्वारा दिखाए मार्ग पर चलना ही उनकों सच्चा नमन होगा। कबीरदास जी ऐसे गुरु रहे हैं जिनका अनुसण मानव का कल्याण करता है। संत कबीरदास ऐसे संत थे जिन्होंने कभी कलम को छुआ तक नहीं फिर भी उन्होंने अपने अनुभव से समाज को नई दिशा देने का काम किया। उन्होंने जो संदेश दिया वह सदा अमर रहेगा, आने वाली पीढ़ी को भी संतों के संदेशों का अनुसरण करके आगे बढना चाहिए। आज उनकी जयंती पर हम सभी को संकल्प लेना होगा कि संत कबीरदास जी के योगदान व उनके दिखाए मार्ग को हम जन-जन तक पहुंचायेगे, तभी एक अच्छे समाज का निर्माण कर सकते है।

ये रहे मौजूद

इस दौरान पूर्व विधायक पदम दहिया, सुरेंद्र छिक्कारा, पार्षद सुरेंद्र नेयर, कुलदीप खासा, अनिल नगर, मोनिका नगर, आरके पोरिया, भलेराम जांगड़ा, पवन गर्ग, राजकुमार कटारिया, दयानद वाल्मीकि, नवीन पार्षद, संजय पूर्व पार्षद, विजेंद्र मलिक, पार्षद नीतू दहिया, पार्षद सूर्य दहिया आदि रहे।

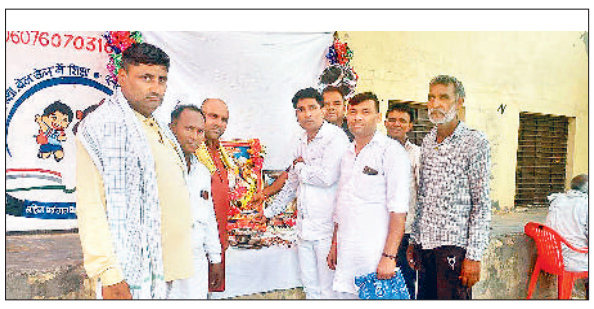

सोनीपत। संत कबीरदास को नमन करते हुए संजय बड़वासनिया एवं अन्य।

संत कबीरदास ने किया था अंधविश्वास का विरोध

सोनीपत। संत कबीर दास की जयंती पर जिला पार्षद संजय बड़वसनीया ने जुआ गांव में संत कबीर दास की प्रतिमा पर फूल माला अर्पित किए। जिला पार्षद संजय बड़वासनिया ने कहा कि संत कबीर दास ने रूढ़िवादी अंधविश्वास का जमकर विरोध किया। उन्होंने अपने दोहे के माध्यम से पूरे विश्व को एक नई दिशा देने का कार्य किया। संजय बड़वासनिया ने कहा कि हमें उनके दिखाएं मार्ग पर चलकर एक नए भारत की रचना करनी है। इस अवसर पर देवी, सुमित, सचिन, रामकुमार, संजीत, राजेश, कुलविंदर, महेंद्र, जगबीर, राजू उपस्थित रहे।

निशिका ने 6 तो और मनन ने जीते 5 पदक

- निजी विश्वविद्यालय में दो दिवसीय तैराकी प्रतियोगिता आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

स्विमिंग एसोसिएशन ऑफ सोनीपत द्वारा एक निजी विश्वविद्यालय में दो दिवसीय तैराकी प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें गेटवे स्विमिंग अकेडमी के 13 तैराकों ने प्रतिभागिता ली। इन तैराकों में से निशिका तुषीर 6 स्वर्ण पदक और 3 रजत पदक और मनन दहिया 5 स्वर्ण पदक के साथ अपने-अपने आयु वर्ग में सर्वश्रेष्ठ तैराक के रूप में सम्मानित किए गए। अन्य तैराकों में क्रमशः दीपिका 1 रजत पदक, 4 कांस्य पदक, आर्यन 1 रजत पदक 1 कांस्य पदक, हिमांशु 2 रजत पदक और 3 कांस्य पदक, उत्तम 4 स्वर्ण पदक और एक रजत पदक, नैतिक 1 रजत पदक और 3 कांस्य पदक, पूर्व राणा 1 कांस्य पदक, धैर्य 5 स्वर्ण पदक, आदित्य 2 स्वर्ण पदक और 2 रजत पदक, हर्ष 2 रजत पदक और 2 कांस्य पदक, मोनिशा 3 रजत पदक और 2 कांस्य पदक, यश राणा ने 1 रजत पदक के साथ गेटवे स्विमिंग अकेडमी का नाम रोशन किया। स्विमिंग कोच ऋतिक अंतिल ने बताया कि ये सभी तैराक बहुत मेहनत और लगन से प्रैक्टिस करते हैं।

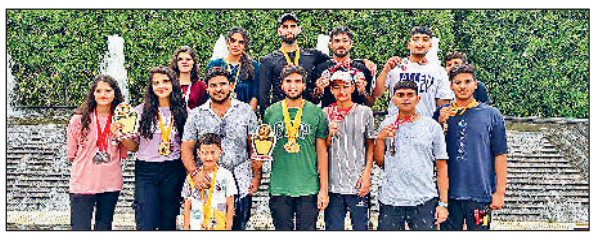

सोनीपत। विजेताओं के साथ कोच एवं अन्य। *फोटो : हरिभूमि*

16 साल से ट्रक चालक नहीं पहुंचा घर

गोहाना। देवीपुरा में 16 साल से ट्रक चालक अपने घर नहीं पहुंचा है। ट्रक चालक की पत्नी ने शहर थाना पुलिस को शिकायत दी है। पुलिस ने शिकायत दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। देवीपुरा निवासी कुलजीत कौर उर्फ सोनू ने बताया कि उनके पति बलीहार सिंह ट्रक चालक हैं जो छह महीने या एक साल में घर आ जाते थे। वह अंतिम बार 30 दिसंबर 2009 को घर आए थे। उसके बाद से घर नहीं आए हैं। महिला ने पुलिस से मांग की है कि उनके पति की तलाश की जाए।

सरकारी बसों के चालकों व परिचालकों को निजी बस मालिक से मिल रही जान से मारने की धमकी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| खरखौदा

हरियाणा रोडवेज की बसों के चालकों व परिचालकों को प्राइवेट बस के एक मालिक द्वारा जान से मारने की धमकी दी जा रही है। सरकारी बस के चालकों व परिचालकों ने सोनीपत बस डिपो महाप्रबंधक को लिखित रूप में शिकायत देकर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। चालक बिल्लू, धर्मेंद्र, शोभराम, राजेश व परिचालक कुलदीप, रोहतास, सुनील, दलबीर ने अपनी शिकायत में कहा है कि वे सरकारी बसों को सोनीपत से रोहतक रूट पर चलाते हैं। प्राइवेट बस का एक मालिक सरकारी बसों को रास्ते में रोककर चालकों व परिचालकों के साथ गाली गलौच करते हुए हाथ पैर तोड़ने और जान से मारने की धमकी दे रहा है। इतना ही नहीं सरकारी बसों को समय होने पर उसके काउंटर पर नहीं लगाने दिया जा रहा है। जिससे न केवल उनके मान-सम्मान को ठेस पहुंच रही है, बल्कि सरकारी कार्य में बाधा डाले जाने से विभाग को आर्थिक हानि हो रही है। प्राइवेट बस मालिक के खिलाफ कानूनी व विभागीय कार्रवाई की जाए, ताकि सरकारी बसों के चालक व परिचालक विभाग के हित सुरक्षित रख पाएं और अपने कर्तव्य को ठीक से निभा पाएं ।

गुरु गोरखनाथ चौक के नाम से जाना जाएगा शहर के सेक्टर 26 -27 का चौक

- मेयर निखिल मदान ने निगम अधिकारियों और जोगी समाज के प्रबुद्ध लोगों के साथ किया चौक का भूमि पूजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

नगर निगम मेयर निखिल मदान ने शनिवार को शहर के सेक्टर 26- 27 चौक पर बनने वाले गुरु गोरखनाथ चौक का नारियल तोड़कर भूमि पूजन किया। इस मौके पर उनके साथ जोगी समाज के प्रबुद्ध लोग और नगर निगम अधिकारी मौजूद रहे। मेयर निखिल मदान ने बताया कि कुछ माह पहले अखिल भारतीय योगी समाज के लोगों ने उन्हें शहर में गुरु गोरखनाथ के नाम से चौक बनाने का ज्ञापन सौंपा था। इस प्रस्ताव को नगर निगम हाउस की बैठक में सर्वसम्मति से पास कर दिया गया था। उसके बाद गोरखनाथ चौक बनाने के लिए दीवान फॉर्म से पटेल नगर की ओर जाने वाली सड़क पर सेक्टर 26-27 चौराहे को चिन्हित किया गया था। साथ ही चौक के निर्माण कार्य हेतु आवश्यक टेंडर प्रक्रिया शुरू की गई थी, जो अब पूरी हो चुकी है। आज उन्होंने नगर निगम अधिकारियों और जोगी समाज के प्रबुद्ध लोगों के साथ चौक का भूमि पूजन किया है। जल्द ही चौक का निर्माण कार्य पूरा कर लिया जाएगा। इस चौक पर पत्थर से गुंबदनुमा आकृति छतरी बनाई जायेगी जिसके बाद गुरु गोरखनाथ की प्रतिमा स्थापित की जायेगी। लाइट लगाकर सौंदर्यीकरण भी किया जायेगा। मेयर निखिल मदान ने बताया कि गुरु गोरख नाथ का जीवन और उनकी सभी शिक्षाएं आज भी प्रासंगिक है। आज हम सबको गुरु गोरखनाथ के दिखाए गए पद चिन्हों पर चलने की आवश्यकता है। इस मौके पर जोगी समाज प्रदेश अध्यक्ष सतपाल योगी, एडवोकेट पवन रावल, सुनील सरोहा, रामपत चोपड़ा, नारायण सिंह, जोगिंदर, श्रीभगवान दीवान, धर्मवीर, राजबीर जोगी, आनंद सिंह, शुभम आदि लोग मौजूद रहे।

सोनीपत। भूमि पूजन के लिये पहुंचें मेयर निखिल मदान का स्वागत करते हुए प्रबुद्ध लोग। *फोटो : हरिभूमि*

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 0130-2989288, 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नही हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन 0130-4012310, 9253681028

हरिभूमि रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 23 मई 2024

आज पर टिकी होती है हमारी भविष्य की जिंदगी

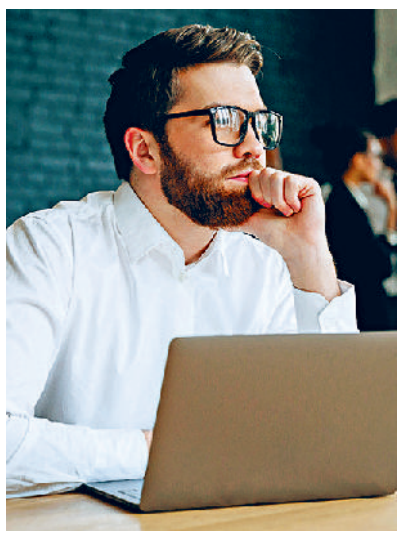

कवर स्टोरी
शिखर चंद जैन

यह सही है कि भविष्य में कुछ भी निश्चित नहीं लेकिन आने वाले कल का बहुत कुछ ऐसा होता है, जिसे हम आज ही निर्धारित कर सकते हैं। वो कौन-सी प्रवृत्तियां हैं, कौन-सी स्वभावगत विशेषताएं हैं, जिनमें बदलाव लाना या जिन्हें सही दिशा देना जरूरी है, इस बारे में जानकर हम निश्चित ही आने वाले जीवन को बेहतर बना सकते हैं।

आपको अगर अपने उगाए पेड़ों से आम, अमरूद, नीबू, केला, टमाटर या कोई भी फल सब्जी खानी है तो उसे कब उगाएंगे? जाहिर है, आप जब भी इन्हें उगाएंगे उसके कुछ दिनों, हफ्तों, महीनों या बरसों बाद आपको अपेक्षित फल मिलेंगे। ठीक इसी प्रकार आपको अपना भविष्य उज्ज्वल, खुशहाल, सहज और सुविधाजनक चाहिए तो उसके लिए कुछ कोशिशें आज से ही शुरू करनी होंगी। इन कोशिशों में आपके नजरिए, स्वभाव और आदतों में परिवर्तन भी शामिल है।

करें भविष्य का आकलन

हालांकि जीवन और दुनिया परिवर्तनशील और अनिश्चित है लेकिन इसमें कुछ चीजें कभी नहीं बदलेंगी। जैसे लोगों का स्वभाव, खान-पान संबंधी मूल आदतें, मानवीय गुण-दोष। इन्हीं के आधार पर भविष्य के लिए अपने प्रोफेशनल या कारोबारी निर्णय लें। मॉर्गन हाउसेल ने अपनी बेस्ट सेलर पुस्तक 'सेम एज एवर' में लिखा है, 2050 में दुनिया चाहे जैसी हो, लोग तब भी लाभ, भय, अवसर, शोषण, जोखिम, अनिश्चितता, जुड़ाव से संचालित होंगे, जैसे आज होते हैं। तब भी हर कोई सुरक्षित भविष्य चाहेगा, आशंकाओं से घबराएगा और खाने में कुछ चीजें तब भी लगभग हर कोई खाएगा।' शायद यही कारण है कि वारेन बफेट जैसा बड़ा उद्यमी बीमा कंपनियों, बबलगम, टोमेटो केचप जैसी ट्रेडिशनल कंपनियों में निवेश करते रहे हैं।

रखें स्पष्ट-तार्किक सोच

हमें जीवन में रोजाना कुछ छोटे-बड़े निर्णय लेने पड़ते हैं। इन्हीं के सही गलत होने पर हमारे भविष्य का पूरा दारोमदार होता है। अगर हम अपनी निर्णय क्षमता को स्पष्ट और तार्किक बनाना सीख लें तो हमारा आने वाला कल निश्चित रूप से अच्छा ही होगा। सही निर्णय लेने की कला स्कूली पढ़ाई से नहीं बल्कि अच्छे लोगों की सलाह, जीवन के अनुभवों और व्यावहारिक ज्ञान पर निर्भर करती है। सबसे पहले आपको उन क्षणों को पहचानना सीखना चाहिए, जो आपके जीवन को बदलने में सक्षम हैं। किसी भी घटना, स्थिति या व्यक्ति के व्यवहार पर बिना सोचे त्वरित प्रतिक्रिया न दें। बल्कि सोच-समझ कर तर्क के आधार पर निर्णय लें। भावनात्मक प्रतिक्रिया देने के बजाय विवेक से काम लें।

विश्वास और शत्रुता सीमित हो

आपने कई पौराणिक, ऐतिहासिक कथाएं पढ़ी होंगी। अपने परिवार या आस-पास के उदाहरण देखे होंगे और हो सकता है कभी आपको भी अनुभव प्राप्त हुआ हो कि किसी भी व्यक्ति से शत्रुता खतरनाक स्तर पर पहुंच जाए तो मानसिक अशांति के साथ-साथ जान से हाथ धो बैठने और भारी आर्थिक नुकसान होने का जोखिम बढ़ जाता है। ठीक इसी प्रकार जब हम किसी को अपना परम मित्र और हितैषी मानकर उसे अपनी जिंदगी का हर छोटा-बड़ा राज बता देते हैं और जरूरत से ज्यादा विश्वास करने लगते हैं तो कभी-कभार हमें भारी नुकसान उठाना पड़ता है। ऐसा ना हो इसके लिए किसी से अत्यधिक शत्रुता या किसी पर अंधविश्वास करने से बचना चाहिए।

धोखाधड़ी-शॉर्टकट से बचें

कई बार हम क्षणिक सुख प्राप्त करने के लिए कोई ऐसी बड़ी गलती कर बैठते हैं, जिसके लिए हमें जीवन भर पछताना पड़ता है। अवैध संबंध, ठगी, चोरी, लूट, ईर्ष्या, किसी का अहित करना या धोखा देकर, नकल करके आगे बढ़ना ऐसे काम हैं, जिनका अंतिम नतीजा सदैव दुखदायी ही होता है। आप ऐसी खबरें देखते, सुनते या पढ़ते होंगे कि कोई बाहुबली, बड़ा राजनीतिज्ञ या अत्यधिक अमीर व्यक्ति भी अर्श से फर्श पर आ जाता है। इस संदर्भ में अब्राहम लिंकन के एक पत्र का सारांश पठनीय है, जो उन्होंने अपने बेटे के स्कूल टीचर को लिखा था। उन्होंने लिखा था, 'आदरणीय टीचर, आप मेरे बेटे को सिखाएं कि मेहनत से कमाया हुआ एक डॉलर सड़क पर पड़े मिलने वाले पांच डॉलर से ज्यादा कीमती होता है। वह दूसरों से ईर्ष्या की भावना मन में ना लाए। मुझे उम्मीद है कि आप उसे बताएंगे कि दूसरों को धमकाना और डराना अच्छी बात नहीं है। नकल करके पास होने से फेल होना ज्यादा अच्छा है। आप उसे सिखाएं कि हर दुश्मन में दोस्त बनने की संभावना भी होती है। इसलिए संयमित व्यवहार करे।'

ये सीखें बेहतर जीवन की चाहत रखने वाले हर किसी के लिए उपयोगी हैं। इसलिए बेहतर और खुशहाल जीवन के लिए इसके सभी पहलुओं का संतुलन साधना बहुत जरूरी है। *

सीखें लाइफ को बैलेंस करना

अगर आप अपने जीवन में अच्छे-बुरे कामों, नतीजों, अपने क्रिया-कलापों पर नजर नहीं रखते हैं तो जीवन की गति बेलगाम घोड़े या ड्राइवर विहीन कार जैसी होगी। जाहिर है, इसके दुष्परिणाम आपको ही भोगने होंगे। जीवन में संतुलन बेहद जरूरी है। काम के साथ स्वास्थ्य, विश्राम, संबंधों और परिवार पर भी ध्यान देना जरूरी है। कोका-कोला के पूर्व सीईओ ब्रायन डायन ने कॉर्पोरेट करियर में 40 साल बिताने के बाद एक स्पीच में कहा था कि काम पर समय से पहुंचें। तल्लीन होकर काम करें लेकिन घर पर भी समय से पहुंचे। हम जीवन में पांच गेंदों की जग्लिंग करते हैं। पहली गेंद काम, दूसरी परिवार, तीसरी स्वास्थ्य, चौथी दोस्ती और पांचवीं गेंद उत्साह से जुड़ी हुई है। काम-काज की गेंद रबड़ की तरह है। यह हाथ से छूट गई तो दोबारा आ सकती है। लेकिन बाकी गेंदें कांच की तरह होती हैं। ये एक बार हाथ से छूटीं तो टूट जाएंगी। पैसा और प्रोफेशन महत्वपूर्ण है लेकिन सब कुछ यही नहीं है। इसलिए परिवार की महत्ता को पूरी तरजीह दें।

पुरुष भी जरूर करें अपनी हेल्थ केयर

परिवार के अन्य सदस्यों की हेल्थ का पूरा ध्यान रखने वाले पुरुष सदस्य अकसर अपनी हेल्थ पर ध्यान नहीं देते हैं। सभी पुरुषों को अपनी हेल्थ के प्रति अवेयर करने और हेल्दी लाइफ जीने के लिए 'मेंस हेल्थ मंथ (जून)' इंस्पायर करता है।

अवेयरनेस
डॉ. मोनिका शर्मा

जून महीना पुरुषों की स्वास्थ्य समस्याओं को लेकर सजगता लाने से जुड़ा है। इस माह को 'मेंस हेल्थ मंथ' के रूप में मनाया जाता है। यह महीना, पुरुषों की हेल्थ प्रॉब्लम्स को लेकर जागरूक होने को समर्पित है।

पारिवारिक सदस्यों की जिम्मेदारी: परिवार में पिता, दादा, भाई या किसी भी अन्य रिश्ते के रूप में रहने वाले पुरुष सदस्य अगर अपनी सेहत का पूरा ध्यान नहीं रखते हैं तो परिवार के अन्य सदस्यों की यह जिम्मेदारी है, वे उन्हें अपनी हेल्थ को लेकर अवेयर करें। कई तरह की भाग-दौड़ के बावजूद अपनों का स्वास्थ्य सहेजने वाली आपा-धापी में उलझे रहने वाले बाबा, पापा, चाचा या भाई को भी उनकी परेशानियों को समझने वाला साथ चाहिए होता है। उनका हाथ थामकर डॉक्टर के पास तक ले जाने और दवा खिलाने के लिए परिवार के सदस्य समय जरूर निकालें, उनकी तकलीफों को लेकर संवेदनशील बनें।

स्वास्थ्य की अनदेखी: अध्ययन बताते हैं कि पुरुषों की प्राइमरी हेल्थ केयर के लिए चिकित्सक के पास जाने की प्रवृत्ति कम होती है। इसी वजह से पुरुषों में हृदय रोग, कैंसर और दुर्घटना में लगी चोटें, उनका जीवन छीनने के तीन प्रमुख कारणों में से एक बनकर सामने आई हैं। इतना ही नहीं पोस्टपार्टम डिप्रेशन जैसी समस्या महिलाएं ही नहीं पुरुष भी झेलते हैं। उम्र के साथ हार्मोनल बदलावों से जुड़ी परेशानियां पुरुषों के भी हिस्से आती हैं। पैरेंटिंग की यात्रा के उतार-चढ़ाव में पिता भी साझीदार होते हैं। उनकी मनःस्थिति भी बदलती है। कई तरह की चिंताएं उन्हें भी आ घेरती हैं। बावजूद इसके यह जिम्मेदारी निभाने के आयुवर्ग में अधिकतर पुरुष अपनी हेल्थ को लेकर ज्यादा सजग नहीं रहते। अपनों की संभाल का जिम्मा उठाने वाले पिता, पति और बेटे खुद अपनी स्वास्थ्य समस्याओं को सीरियसली नहीं लेते। मन ही मन बहुत सी परेशानियों से जूझते रहते हैं। अपनी तकलीफें बताने के बजाय अपनों की परेशानियों का हल निकालने में जुटे रहते हैं। ऐसे में घर की महिला सदस्य और बच्चे अपने पति, पिता और दादाजी को खुद की देखभाल के लिए प्रेरित भी कर सकते हैं और स्नेह भरा दबाव भी बना सकते हैं। अपने स्वास्थ्य की अनदेखी करने के इस बर्ताव के खिलाफ प्यारी सी जिद ठान सकते हैं। घर के पुरुष सदस्य, अपने बच्चों की बात नहीं टाल पाते हैं।

स्नेह-साथ आवश्यक: हमारे सोशल सिस्टम में बहुत सहजता से यह मान लिया जाता है कि घर के पुरुष सदस्यों को साथ, स्नेह और संवेदनशील बर्ताव की दरकार है ही नहीं। खासकर उस आयुवर्ग में जब वे अपनी जिम्मेदारियां संभालने योग्य हो जाते हैं। पिता, पति और बेटे के रूप में परिजनों के लिए हर मोर्चे पर भागम-भाग करने लगते हैं। ऐसे में बड़े होते बच्चों का अपने पिता के प्रति जुड़ाव ही संबल बन सकता है। शारीरिक स्वास्थ्य सहेजने के लिए ही नहीं भावनात्मक मजबूती के मोर्चे पर भी यह स्नेह भरा साथ बहुत आवश्यक है।

अपनों की भूमिका अहम: पुरुषों की सेहत से जुड़ी चिंताओं के प्रति अवेयरनेस लाने और बहुत सी स्वास्थ्य समस्याओं की तरफ ध्यान लाने और उसे बेहतर तरीके से प्रबंधित करने के लिए तय किया गया यह विशेष वार्षिक आयोजन (मेंस हेल्थ मंथ) वाकई अहम है। इस दौरान चलाए जाने वाले जागरूकता अभियान, यह भी बताते हैं कि घर के पुरुष मेंबर की हेल्थ संभालने के लिए अपनों की सक्रियता बेहद जरूरी है। अमेरिकी लेखक, राजनीतिज्ञ और डिप्लोमैट बिल रिचर्डसन ने कहा था कि पुरुषों की स्वास्थ्य समस्याओं को पहचानना और उन्हें रोकना केवल पुरुषों का मामला नहीं है। इसका असर पत्नियों, माताओं, बेटियों और बहनों पर भी पड़ता है। इससे स्पष्ट होता है कि पुरुषों का स्वास्थ्य वास्तव में एक व्यक्ति का नहीं पारिवारिक मुद्दा है। इसे गंभीरता से लेना चाहिए। इससे परिवार में खुशहाली आती है। *

प्रिकॉशन
बाल मुकुंद ओझा

गेमिंग जोन में खोए बच्चे

खेलों को बच्चों के मानसिक विकास के लिए जरूरी माना जाता है। लेकिन हाल के वर्षों में गेमिंग जोन और ऑनलाइन गेम्स के बढ़ते ट्रेंड से बच्चों में कई हेल्थ प्रॉब्लम्स सामने आने लगी हैं। ऐसे में पैरेंट्स को एलर्ट होने की जरूरत है।

बच्चों के लिए बनाए जाने वाले गेमिंग जोन को लेकर इस समय पूरे देश में खासी चर्चा हो रही है। सवाल है, आखिर ये गेम जोन है क्या? इसका चलन देश और विदेशों में इतना क्यों बढ़ने लगा है?

विदेश से आया ट्रेंड: गेमिंग जोन की शुरुआत विदेशों में बहुत पहले हो चुकी थी। समय के साथ अन्य तकनीकों की तरह भारत के छोटे-बड़े शहरों में इसका भी विस्तार होने लगा है। गेमिंग जोन एक ऐसी जगह होती है, जहां लोग गेम खेल सकते हैं। इसे अलग-अलग तरह के गेम्स के लिए डिजाइन किया जाता है। भारत में गेमिंग जोन की लोकप्रियता बढ़ रही है। देश में लगभग हर बड़े शहर और मेट्रो सिटीज में आपको गेमिंग जोन मिल जाएंगे।

कैसे होते हैं गेमिंग जोन: गेमिंग जोंस में वीडियो गेम्स खेलने के लिए विशेष रूप से गेम्स डिजाइन किए जाते हैं। यह एक अलग क्षेत्र होता है, जो स्पेशल गेमिंग उपकरणों से तैयार किया जाता है। गेमिंग जोन के गेम्स में प्लेयर्स को अधिक तेज और रोमांचक गेमिंग अनुभव प्राप्त करने के लिए स्पेशल फीचर्स डाले जाते हैं।

बच्चे करते हैं पसंद: बच्चों को गेमिंग जोन काफी पसंद आते हैं। इसकी वजह यह है कि पिछले कुछ सालों से बच्चों में इंडोर वीडियो गेम और फोन पर गेम्स खेलने की आदत काफी बढ़ गई है। कई मामलों में तो बच्चों को गेम की लत भी लग जाती है और वो चाहकर भी गेम खेलना छोड़ नहीं पाते। इसी तर्ज पर बनाए गए गेम्स जोन, बच्चों को खूब लुभाते हैं। यही वजह है कि छुट्टी के दिनों पर तो मॉल्स में बनाए गए गेमिंग जोन में बच्चों की काफी भीड़ रहती है। बच्चों को इस तरह के गेम्स खेलने में बहुत मजा आता है। इससे उनके शरीर में डोपामाइन नामक केमिकल ज्यादा रिलीज होता है। डोपामाइन एक न्यूरो ट्रांसमीटर है, जो हमारे शरीर के दिमाग को रोमांच, संतुष्टि और खुशी महसूस कराता है। इस वजह से बच्चे ऐसे गेम ज्यादा खेलते है।

बच्चों की हेल्थ पर बुरा प्रभाव: ऑनलाइन गेम्स हों, इंडोर गेम्स या गेमिंग जोन के गेम्स, इनकी लत बच्चों की मेंटल हेल्थ पर बैड इफेक्ट डाल सकती है। इससे बच्चों में डिप्रेशन, एंजाइटी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। बीते कुछ सालों से इस तरह के कई मामले भी सामने आए हैं, जिसमें गेम की लत ने बच्चों की मानसिक सेहत को प्रभावित किया है। उन्होंने अपने घर की चीजों, सदस्यों या दोस्तों को नुकसान भी पहुंचाया है। ऐसे गेम्स से बच्चों में हिंसक सोच भी बढ़ती है। खराब मेंटल हेल्थ के चलते बच्चों की पढ़ाई और प्रदर्शन प्रभावित होता है। ऐसे गेम्स की लत में बच्चों की मेंटल हेल्थ के साथ-साथ फिजिकल हेल्थ भी बिगड़ती है।

पैरेंट्स ना करें लापरवाही: अपने बच्चों को मोबाइल, कंप्यूटर और गेम जोन में खेलते देखकर कई माता-पिता बहुत खुश होते हैं। वे दूसरों को बड़े गर्व के साथ यह बताते तनिक भी नहीं हिचकते कि उनका बच्चा डिजिटल दुनिया के नए जमाने के साथ दौड़ रहा है। लेकिन शायद वे इस बात से अनजान हैं कि जिसे वह बच्चे की स्मार्टनेस समझ रहे हैं, वह उसके विकास में बाधा भी बन सकता है। इसलिए अगर आपके बच्चे भी ऐसे गेमिंग जोन में या ऑनलाइन गेमिंग में अकसर या बहुत ज्यादा समय बिताते हैं तो बिना देर किए आपको इस पर गहनता से विचार करने की जरूरत है। आपका बच्चा ऐसे गेम्स का एडिक्ट हो जाए, उससे पहले ही आपको एलर्ट हो जाना चाहिए। ऐसा न हो कि आपके बच्चे का बचपन गेमिंग जोन के चमक-दमक वाले मायाजाल में कहीं खो जाए। इसलिए इस लत से छुटकारा दिलाने के लिए पहले अपने स्तर पर प्यार से समझाने का प्रयास करें। जरूरत हो तो चाइल्ड काउंसलर या साइकोलॉजिस्ट की मदद भी ले सकते हैं। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

गहन सामाजिक विमर्श

जगमोहन सिंह राजपूत शिक्षाविद तो हैं ही, सामाजिक, राष्ट्रीय और वैश्विक मुद्दों के विचारक भी हैं। हाल में आई पुस्तक 'भारतीय विरासत और वैश्विक समस्याएं (व्यग्रता, उग्रता और समग्रता)' में उनके कई विचारोत्तेजक लेख संकलित हैं। यहां पर लेखक ने कई ऐसी समस्याओं पर विचार किया है, जो केवल एक देश-समाज के लिए ही नहीं संपूर्ण विश्व के लिए चुनौती बने हुए हैं। आज आतंकवाद, सांप्रदायिक उन्माद, असहनशीलता और संवेदनहीनता जैसी समस्याओं का सामना संपूर्ण मानव समाज कर रहा है। ये ऐसी समस्याएं हैं, जिनके निवारण के बिना हम एक सभ्य समाज, विकासोन्मुख देश और बेहतर दुनिया की उम्मीद नहीं कर सकते हैं। अच्छी बात यह है कि इन समस्याओं के मूल कारणों, इनके दुष्परिणामों पर ही नहीं, उनके समाधान के रास्तों पर भी लेखक ने इन लेखों में गहनता से विचार किया है। *

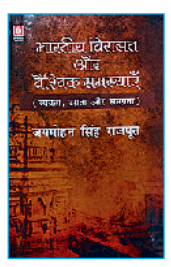

पुस्तक: भारतीय विरासत और वैश्विक समस्याएं, **लेखक:** जगमोहन सिंह राजपूत, **मूल्य:** 350 रुपए, **प्रकाशक:** किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली

लघुकथाएं

तपती दुपहरी

भीषण गर्मी की तपती दुपहरी थी। घर से बाहर निकलते लगता कि आदमी बेहोश होकर गिर जाएगा। धरती पर कण-कण तप रहा था। लेकिन बुलकिया को दम मारने की भी फुरसत नहीं थी। वह सुबह से ही लगी हुई थी। जल्दी-जल्दी ईंटे ढो रही थी। यह सोचती, बस एक खेप और...बस एक खेप और... फिर बच्चे को दूध पिला आएगी। बीच-बीच में बच्चा उठता, थोड़ी देर रोता फिर सो जाता। भीषण लू चल रही थी। पेट की बात नहीं होती तो बुलकिया निकलती भी नहीं। उसने कनखियों से बच्चे कजरा की ओर देखा। वह बस साल भर का था, नीम के पेड़ के नीचे लेटा हुआ था। पेड़ अब ठूंठ ही बचा था। पेड़ की शाखों पर नाम मात्र की पत्तियां ही बची थीं। बुलकिया को तेज भूख लग आई थी, लेकिन वह ईंटों को ढोने में लगी हुई थी। आधी दोपहर निकल गई थी। वह भी बेचारी क्या करे? उसका आदमी रामसूरतवा डेढ़ साल हुए पैसा कमाने पहले विदेश चला गया था। बैंक के दलालों की मदद से किसी तरह पैसा कर्जा लेकर वह दुबई गया था, लेकिन वह घर नहीं लौटा। दुबई में कहीं टावर पर चढ़कर काम कर रहा था। एक बार नीचे गिरा तो उठ ना सका। बुलकिया अपने पति की लाश भी नहीं देख पाई थी। बैंक से दो लाख का कर्जा लेकर गया था पति, साल भर से वह उसका मय ब्याज चुका रही है। रामसूरतवा अपने पीछे दो बच्चे छोड़ गया है- मिंटुआ और कजरा। मिंटुआ तो खैर बड़ा हो गया है। बड़ा भी भला क्या हुआ है, चौदह साल का है। अट्ठारह घंटे चूड़ी फैक्ट्री में काम करता है। तब जाकर वो पांच हजार कमा पाता है। उसकी कमाई से ही घर चलता है।

पेड़ के नीचे कजरा बहुत देर से लेटा था। धूप की किरणें कांच की किरचों की तरह उसके बदन पर चुभ रही थीं। अचानक से वह जोर-जोर से रोने लगा। सुरेखवा से नहीं रहा गया तो चिल्लाई, 'अरे बहन! सुबह से ही बच्चे को धूप में सुला रखा है। कम-से-कम उसे छाया में तो लिटा, उसे कुछ खिला-पिला दे। तू भी तो कुछ खा-पी ले। इतनी धूप में क्यों काम कर रही है? थोड़ा सुस्ता ले बहन। काहे जान देने पर तुली है? बचेगी तो तभी काम करेगी, जा कुछ खा ले। यहां तो ऐसे लोग हैं, जो ठंडे एसी कमरों में पड़े हुए हैं।

एक हमारा नसीब है, धूप और लू में भी काम करना पड़ रहा है। सब अपने-अपने भाग्य की बात है।' तभी रामानंद ठेकेदार उधर से गुजरा, उसने भी टोका, 'ऐ, बुलकिया, तुझे और तेरे बच्चे को धूप नहीं लग रही है क्या? जा थोड़ा सुस्ता ले।'

बुलकिया के मन में आया कह दे, 'बाबू, भूख के आगे धूप कहां लगती है।' लेकिन उसे लगा उसकी आवाज को लकवा मार गया है। *

-महेश कुमार केशरी

प्यासा कौआ

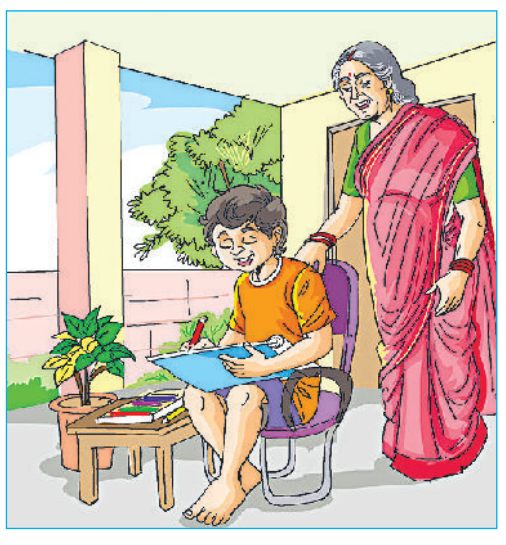

ओह कैसी गर्मी है? दो-चार रोटियां बनाने में जी घबरा गया। ये सिल्लो भी कितनी छुट्टी करती है और नलों का भी यही हाल है। सारे बर्तन खाली पड़े हैं। सूखे नल ही हुड़हुड़ा रहे हैं।' पसीना पोंछते हुए गर्मी को कोसते हुए वह किचन से बाहर निकल आईं। सामने उन्हें अपना पौत्र दिखाई दिया, 'अरे बंटू! इतनी गर्मी में तुम यहां बैठे हो?'

आंगन में रखी अपनी छोटी कुर्सी पर बैठा हुआ, अपनी ही धुन में ड्राइंग कॉपी में अपने नन्हे-नन्हे हाथ से कुछ बना रहा था। बंटू को भी उसकी ही तरह घर का आंगन बहुत पसंद है। गमलों में मुस्कुराते एक से एक सजावटी पौधे, कोने में पारिजात के पेड़ पर टंगी घंटियां और एक विशिष्ट सजावट मन को सुकून से भर देता है यह आंगन। उन्होंने बंटू से कहा, 'इस गर्मी में बाहर बैठे हो! चलो अंदर चलो।'

बंटू ने बताया, 'दादी मैं ड्राइंग बना रहा हूं।'

उन्होंने कॉपी में झांक कर देखा पेड़, पौधे चिड़ियां, लाल-पीले फूल, तितलियां और आसमान में बादल, झरती वर्षा की बूंदें, वहीं दूसरी ओर खाली मटका, मटके के पास एक मृत कौआ।

'यह क्या बंटू?' उन्होंने पूछा।

'दादी कल आपने कहानी सुनाई थी न, कौए को कहीं भी पानी नहीं मिला, सब जगह सूखा ही सूखा। कहीं भी पानी की एक बूंद भी नहीं और कौआ प्यासा ही मर गया।' बंटू की आवाज में एक पीड़ा थी।

वह आगे भी बोला, 'देखो दादी, मैंने पेड़, लगाए हैं, उससे बादल आए, बारिश आई और यह नदी! देखो नदी में कितना सारा पानी है।' उन्होंने देखा बंटू के मुख और स्वर से खुशी फूट रही थी।

'पर तुम्हारा कौआ तो प्यासा ही मर गया। अब क्या फायदा?' उन्होंने बंटू से पूछा।

'दादी देखो! दूसरा कौआ तो आकाश में उड़ रहा है न।' वह बोला।

न जाने क्यों निगाहें अपने आप ही आसमान की ओर उठ गईं। उफ्फ! आग उगलते आसमां में एक भी परिंदा न दिखा। पर उन्होंने मिट्टी के खाली सकोरों को पानी से लबालब जरूर भर दिया। *

-यशोधरा भटनागर

{ टूरिस्ट प्लेसेस / शिखर चंद जैन }

वैसे तो दुनिया भर में हजारों-लाखों ब्रिजेज, नदी, सागर और पहाड़ों पर बनाए गए हैं। लेकिन हम आपको यहां कुछ ऐसे स्काई ब्रिज के बारे में बता रहे हैं, जिस पर से गुजरते हुए आपको भरपूर रोमांचक अनुभव मिलेगा। यहां से आपको आसमान और धरती के ऐसे अद्भुत नजारे दिखेंगे, जिसकी आप कल्पना भी नहीं कर सकते हैं।

थ्रिल से भरपूर अमेजिंग ब्रिज

टिटलिस क्लिफ वाक

स्विटजरलैंड के टिटलिस पहाड़ पर बना यह झूला पुल, दुनिया का सबसे ऊंचा ससपेंशन ब्रिज माना जाता है। समुद्री सतह से 3000 मीटर की ऊंचाई पर बने इस ब्रिज पर टहलने के लिए सचमुच बहुत हिम्मत चाहिए, क्योंकि यहां से आसमान आपको अपनी पहुंच में नजर आएगा और नीचे देखेंगे, तो सिर चकरा जाएगा। जी हां, 100 मीटर लंबे और मात्र 1 मीटर चौड़े इस ब्रिज पर अपना दिल थाम कर आप आगे बढ़ेंगे तो चारों ओर बिखरी सफेद बर्फ और नीले आसमान के नीचे पहाड़ का मनोरम दृश्य आपको स्वर्गिक आनंद तो देगा ही, आपको रोमांच से भी भर देगा। *

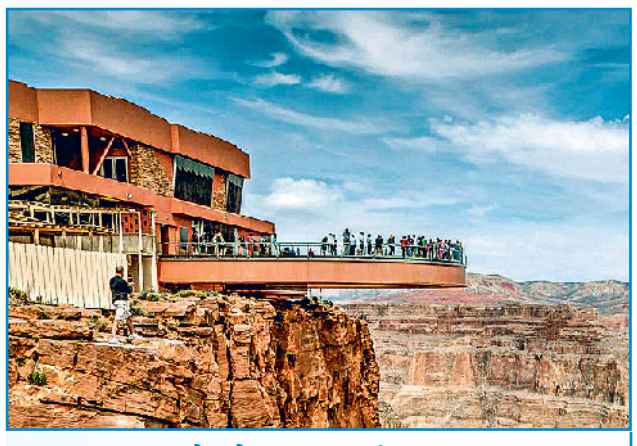

ग्रैंड कैन्यन स्काई वाक

अरिजोना (यूएसए) के कैन्यन नेशनल पार्क में 4700 फीट की ऊंचाई पर बना यह पुल, पूरी तरह पारदर्शी है। यह वाक वे दुनिया के सबसे रोमांचक और सिहरन पैदा करने वाले पर्यटक स्थानों की सूची में शुमार है। इस पर टहलते समय नीचे गहरी खाई और ऊपर नीला आसमान नजर आता है तो अच्छे अच्छों का सिर चकरा जाता है। इसकी सैर करते समय आपको म्यूजियम, लाउंज और स्पेशल आइटम्स वाली शॉप भी देखने को मिलेगी। घोड़े के नाल की आकार का यह पुल, दर्शकों का दिल छू लेता है। अगर आप इस पर सैर करने का साहस न जुटा पाएं तो कोई बात नहीं, इसके नजदीक बने ओपन कैफे में बैठकर भी इसके नजारे ले सकते हैं। *

ऑरलैंड लुकआउट

स्विमिंग पुल में कूदने के लिए जो डाइविंग बोर्ड बनाए जाते हैं, वैसी ही डिजाइन है नॉर्वे के इस हैंगिंग ब्रिज ऑरलैंड लुकआउट की। ढलान ऐसी कि दिल घबरा जाए। बहादुर से बहादुर इंसान भी इसके अंतिम छोर तक जाने का साहस नहीं जुटा पाएगा क्योंकि इसका छोर पारदर्शी कांच से बनाया है और वह भी बिना फ्रेम के। नीचे घाटी में झांकेंगे, तो लगेगा बस आप अगले ही पल नीचे गिरने वाले हैं और ऊपर आसमान इतना नजदीक दिखेगा कि आपको लगेगा, आप इसे हाथ से पकड़ लेंगे। *

मोंटीवर्डी रेनफॉरेस्ट स्काई वाक

दक्षिण अमेरिकी महाद्वीप के कोस्टारिका देश में बना यह स्काई वाक इकोटूरिज्म का नायाब उदाहरण है। हैंगिंग ब्रिजेज की श्रृंखला से बना यह 2.5 किलोमीटर लंबा ब्रिज, आपको 2500 तरह के पेड़-पौधे, 400 तरह के पक्षी और कम से कम 100 तरह के जानवरों को देखने का भी मौका देता है। इस पुल पर आप लंबे-लंबे पेड़ों के शिखरों के बगल में चलते हैं और अपने चारों ओर प्रकृति का जीवंत रूप देखते हैं, तो मन आनंद से भर जाता है। इस बियाबान जंगल में सूरज की रोशनी बड़ी मुश्किल से धरती को छू पाती है। ऐसे में ब्रिज पर सैर करते हुए हवाई नजारा लेना एक अनूठी अनुभूति है। *

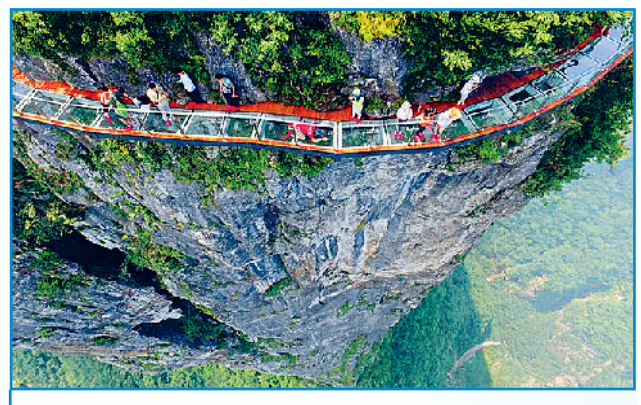

थियानमेन मुंटेन स्काईवाक

चीन के हुनान प्रांत में बना यह स्काई वाक वे 4700 फीट की ऊंचाई पर स्थित पहाड़ी पर बना है। इस वाक वे पर चलने से पहले भरपूर जीवट वाला इंसान भी एक बार घबरा जाएगा, क्योंकि एक ओर पहाड़ी की खड़ी ढाल है और दूसरी ओर 4000 फीट गहरी खाई। दिलचस्प बात यह कि इसका 3 फीट चौड़ा पैसेज पारदर्शी कांच का बना है, जिससे आप खुद को हवा में झूलता सा महसूस कर सकते हैं। इस स्काई ब्रिज पर टहलना 'वाक आफ फेथ' कहा जाता है, क्योंकि माना जाता है कि यह कमजोर दिलवालों के लिए नहीं, अत्यधिक आत्मविश्वास वाले लोगों के लिए ही है। *

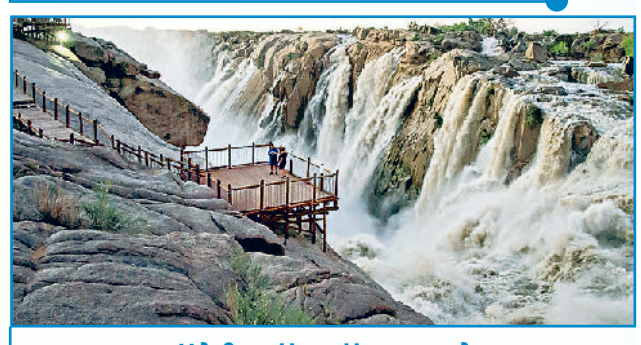

ऑग्रेबीज वॉटरफॉल्स वाक वेज

दक्षिण अफ्रीका के नार्दर्न केप में बने ऑग्रेबीज नेशनल पार्क में लकड़ी से बना यह ब्रिज आपको वाटरफाल के नजदीक पहुंचाता है। 5 कि.मी. लंबा यह वाक वे आपको उस अद्भुत मनोहारी दृश्य को नजदीक से देखने का मौका देता है, जो ऑरेंज नदी के लहराते जल के 240 मीटर गहरी और 18 किमी लंबी खाई में गिरने से उपस्थित होता है। इस पानी का शोर ऐसा होता है मानो सैंकड़ों नगाड़े पूरी ताकत के साथ बजाए जा रहे हैं। वाक वे पर खड़े होकर इस दृश्य को देखना और आवाज को सुनना वाकई एक अविस्मरणीय अनुभव होता है। *

सावधानी है जरूरी

अगर आपको कभी इन वाक वेज को देखने का मौका मिले और इनकी सैर करें तो कुछ सावधानी जरूर बरतें-

- चप्पल या आसानी से खुलकर निकल जाने वाले फुटवियर न पहनें।
- लहराने वाले या लूज ड्रेस जैसे दुपट्टा, मफलर आदि न पहनें।
- मोबाइल फोन, सनग्लास, कैमरे जैसे आइटम साथ में न रखें।
- नींद की दवा या नशीले पदार्थों का सेवन करने के बाद भूलकर भी यहां न जाएं।
- स्वास्थ्य संबंधी कोई शिकायत है, तो डॉक्टर से कंसल्ट जरूर कर लें।

{ रोचक / डॉ. शिबन कृष्ण रैणा }

शारजाह की विशाल सब्जी मंडी

जब भी मैं यूएई (यूनाइटेड अरब अमीरात) जाता हूं तो शारजाह शहर में स्थित सब्जी मंडी को देखना नहीं भूलता। सचमुच, अद्भुत और दर्शनीय! कह नहीं सकता कि विश्व में ऐसी भव्य, विशालकाय और मनोरम सब्जी मंडी कहीं और होगी या नहीं? इस सब्जी मंडी का नाम है 'सौक अल-जुबैल।' सैंतीस सौ वर्ग मीटर क्षेत्रफल में फैले इस विशालकाय वातानुकूलित परिसर में मुख्यतया तीन मार्केट मौजूद हैं। एक में फल और सब्जियां, दूसरे में मीट, चिकन, मछली जबकि तीसरे में सूखे मेवे आदि की दुकानें हैं। कुल मिलाकर इसमें 370 दुकानें हैं, जिनमें 212 सब्जी और फल की और शेष दुकानें नॉनवेज की हैं। पहले यह मंडी दूसरी जगह पर हुआ करती थी। नया परिसर बनने पर पुरानी मंडी की सारी दुकानें यहां पर शिफ्ट कर दी गई हैं।

यहां की व्यवस्था और साफ-सफाई शानदार है। कहीं कोई गिचपिच नहीं, कोई गंदगी नहीं। कहीं कोई शोर-शराबा भी नहीं। हर चीज का एक दाम। कोई मोल भाव भी नहीं। चारों ओर अनुशासन और शांति का माहौल। यूएई चूंकि-कृषि प्रधान देश नहीं है, इसलिए फल, सब्जी आदि खाने-पीने की चीजें मुख्यतया ओमान, भारत, पाकिस्तान, इटली, अमेरिका, श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया आदि देशों से यहां मंगवाई जाती हैं। इस सब्जी मंडी की विशालकायता का अंदाज इस बात से लगाया जा सकता है कि परिसर के बाहर 750 कारों के लिए पार्किंग की व्यवस्था है। 800 ट्रॉलियों से लैस परिसर में एटीएम के साथ-साथ वाई-फाई की सुविधा भी उपलब्ध है। पूरा परिसर चौबीस घंटे सीसीटीवी कैमरों की निगरानी तले रहता है। परिसर की ऊपर वाली मंजिल पर 'सौक अल-जुबैल' का प्रशासनिक कार्यालय भी स्थित है। *

{ ट्रेंड / विवेक कुमार }

बहुत कुछ कहती हैं अंगुली में पहनी अंगूठियां

हममें से कई लोग रईसी दिखाने के लिए तो कुछ अट्रैक्टिव या डिफरेंट दिखने के लिए ज्वेलरी पहनना पसंद करते हैं। विभिन्न धातुओं से बनी ये ज्वेलरीज हमारे स्वभाव से लेकर हमारे स्वास्थ्य तक को प्रभावित करती हैं। लेकिन अगर अंगूठियों की बात करें तो इससे हमारी पर्सनालिटी तो निखरती ही है। अलग-अलग अंगुलियों में पहनी गई अंगूठियां, अलग-अलग एंगल और अंदाज से हमारे व्यक्तित्व और मनोविज्ञान का खुलासा भी करती हैं। इस बारे में जानिए कुछ रोचक बातें।

अंगूठे में अंगूठी: जब आप अपने दाएं हाथ के अंगूठे पर अंगूठी पहनते हैं तो यह आपके महत्वाकांक्षी होने के मनोविज्ञान को दर्शाता है। यदि आप अपने बाएं हाथ के अंगूठे पर अंगूठी पहनते हैं तो यह आपके अंदर के मनोवैज्ञानिक संघर्ष को दर्शाता है। इसका एक पहलू आपकी पर्सनालिटी को उभारने के संबंध में भी होता है। अगर आपकी बॉडी फिट है, लंबाई 6 फीट के आस-पास है, बदन भारी नहीं है, चेहरे में आत्मविश्वास और ऊर्जा की मौजूदगी है, तो अंगूठे में पहनी गई अंगूठी आपकी अलग ही चमक दिखाती है। यह आपके समूचे व्यक्तित्व को एक ड्राइविंग फोर्स देती है।

तर्जनी अंगुली में अंगूठी: तर्जनी अंगुली पर अंगूठी पहनना हालांकि बहुत आसान है, लेकिन आप ध्यान से देखें तो अंगूठी का शौक रखने वाले भी महज 5 से 10 फीसदी लोग ही तर्जनी में अंगूठी पहनते हैं। दरअसल, तर्जनी पर अंगूठी वही पहनते हैं, जो अपने आत्मसम्मान और आत्मविश्वास को सार्वजनिक रूप से दर्शाना चाहते हैं, जिनमें नेतृत्व के गुण होते हैं। अगर इस बात को राजनेताओं से जोड़कर देखें तो अकसर राजनेता तर्जनी अंगुली पर अंगूठी पहने मिल जाते हैं। लेकिन अगर इसे सिर्फ फैशन के लिहाज से देखें तो तर्जनी अंगुली पर उन्हीं को अंगूठी पहनना शानदार दिखाता है, जिनकी पर्सनालिटी पहले से ही भरी-पूरी हो।

मध्यमा अंगुली पर अंगूठी: मध्यमा अंगुली जिम्मेदारी, सुंदरता, आत्मविश्लेषण यानी आपके बारे में बहुत कुछ कहती है। परिवार के मुखिया आमतौर पर मध्यमा अंगुली पर ही अंगूठी पहनना पसंद करते हैं, क्योंकि वे जिम्मेदारी उठाना पसंद करते हैं। मध्यमा अंगुली पर अंगूठी किसी भी लंबाई के पुरुष में अच्छी लगती है, बशर्ते उसके चेहरे में उत्साह हो और आत्मविश्वास भी झलकता हो।

अनामिका अंगुली में अंगूठी: अनामिका एक ऐसी अंगुली है, जिसमें करीब-करीब हर कोई अंगूठी पहनता है और यह भी कहना चाहिए कि हर किसी की अनामिका में पहनी गई अंगूठी अच्छी भी लगती है। शायद इसकी वजह यह है कि इस अंगुली पर जब भी हम अंगूठी पहनते हैं, यह अच्छी लगती है। इसलिए यह अंगूठी पहनने के लिए सबसे कॉमन अंगुली है। रिश्तों की रचनात्मकता को पहचानना हो तो किसी के अनामिका में पहनी गई अंगूठी को देख लें। इसी वजह से विवाह के समय हर जोड़ा इसी अंगुली पर अंगूठी पहनाता है। वास्तव में अनामिका का रिश्ता चंद्रमा और रोमांस से है।

कनिष्ठा अंगुली में अंगूठी : कनिष्ठा यानी छोटी अंगुली पर बहुत कम लोग अंगूठी पहनते हैं। आमतौर पर इस अंगुली में वही लोग अंगूठी पहनते हैं, जिन्हें किसी विशेष मकसद से कोई अंगूठी पहननी हो। लेकिन इस अंगुली में अंगूठी पहनने वालों का एक स्पष्ट मनोविज्ञान होता है। ये पेशेवर होते हैं, बुद्धिमान होते हैं, दूसरे की कम सुनते हैं और अपने आत्मज्ञान पर भरोसा करते हैं। सही तरीके से ड्रेसअप होने पर कनिष्ठा में पहनी गई अंगूठी पर्सनालिटी में चार चांद भी लगाती है। *

रिचा चड्ढा ने अपने अलग तरह के रोल्स और दमदार अभिनय से फिल्मों में एक अलग पहचान बनाई है। इन दिनों वह वेब सीरीज 'हीरामंडी' में अपने किरदार को लेकर चर्चा में हैं। इस सीरीज में उन्होंने अपने अभिनय से दर्शकों को काफी प्रभावित किया है। रिचा चड्ढा से उनकी प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ से जुड़ी खुलकर बातचीत।

लज्जो मेरी नई पहचान है : रिचा चड्ढा

{ बातचीत / पूजा सामंत }

पिछले दिनों ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई संजय लीला भंसाली निर्देशित वेब सीरीज 'हीरामंडी' में आप लज्जो के किरदार में नजर आ रही हैं। इसे दर्शकों ने खूब पसंद किया। आप क्या कहना चाहेंगी ?

हर कलाकार चाहता है कि उसे भंसाली सर के साथ काम करने का मौका मिले। एक स्त्री का चित्रण जिस खूबसूरती से भंसाली सर करते हैं, वैसा किसी और के लिए करना मुश्किल है। वे हर फ्रेम को बेहद सुंदर बना देते हैं। परफेक्शन का दूसरा नाम हैं- संजय लीला भंसाली। 'हीरामंडी' में लज्जो का किरदार निभाकर मुझे काफी प्रशंसा मिल रही है।

सुना है 'हीरामंडी' में आप एक डांस सीक्वेंस परफॉर्म करते समय रो पड़ी थीं ?

अभी तो मैंने बताया कि भंसाली सर कितने परफेक्शनिस्ट हैं। जब तक शॉट 'द बेस्ट' न हो, रीटेक तो होते रहेंगे। शो के एक डांस सीक्वेंस में लज्जो को मुजरा करते हुए दिखाया गया है, यह कथक के तोड़े हैं। मेरे लगातार रीटेक्स हुए जा रहे थे। मुझे इस बात को लेकर घबराहट हो रही थी कि आखिर मेरा शॉट फाइनल होगा या नहीं, इसलिए मेरी आंखों में आंसू आ गए। 99 रीटेक्स के बाद मेरा कथक वाला मुजरा ओके हुआ।

'हीरामंडी' में को-आर्टिस्ट्स के साथ लज्जो के किरदार में रिचा चड्ढा

आप और आपके पति अली फजल ने एक्टिंग फील्ड में होते हुए भी अपना फिल्म प्रोडक्शन शुरू किया। क्या फिल्म निर्माण के क्षेत्र में उतरने के पीछे कोई खास मकसद है ?

चलती-फिरती जिंदगी में कई बार कुछ ऐसे वाकये हो जाते हैं कि लगता है यह तो फिल्म का सब्जेक्ट है। यह जरूरी नहीं कि मेरा सुनाया सब्जेक्ट या कहानी किसी और निर्माता को पसंद आए। इसलिए किसी अच्छी-रोचक कहानी पर हमने स्वयं फिल्म बनाना सही समझा। सो फिल्म निर्माण में आ गए।

आप और अली फजल दोनों फिल्म कलाकार हैं, जीवन साथी भी हैं। फिल्म निर्माण भी साथ में कर रहे हैं, ऐसे में क्या 'क्रिएटिव डिफरेंसेज' की गुंजाइश नहीं रहेगी ?

रहेगी न! किसी मुद्दे को लेकर वैचारिक मतभेद का होना स्वाभाविक है। अली को लव स्टोरीज आकर्षित करती हैं और मैं सोचती हूं, एक्शन का तड़का कहानियों में हो तो वो यूनिवर्सल अपील बन जाती है। लेकिन हम दोनों एक-दूसरे के विचारों का सम्मान करते हैं।

आपके प्रोडक्शन की फिल्म 'गर्ल्स विल बी गर्ल्स' सराही जा रही है। इस फिल्म के बारे में कुछ बताएं।

सूचि तलाटी निर्देशित हमारी यह फिल्म 21 अगस्त को फ्रांस में रिलीज होगी। इस फिल्म में प्रीति पाणिग्रही, कनि कुसूरति, केशव बिनॉय किरण, जितेन गुलाटी, देविका शाहनी और काजल चुघ मुख्य भूमिका में हैं। ये सभी बड़े होनहार कलाकार हैं। अभी फिल्म की पूरी स्टोरी बताना ठीक नहीं रहेगा। वैसे इसे एक मां और बेटी के संघर्ष की कहानी कहा जा सकता है।

अब तक की अपनी जर्नी को कैसे देखती हैं ?

मेरी जर्नी स्लो एंड स्टेडी रही है। मुझे लगता है मेरी हर फिल्म, हर किरदार ने मुझे सिखाया है, मेरी ग्रोथ हुई है। मैं रातों-रात स्टार नहीं बनी, धीरे-धीरे आगे बढ़ी हूं। 2008 में रिलीज हुई फिल्म 'ओए लक्की! लक्की ओए' में एक छोटे रोल से मैंने अपना फिल्मी सफर शुरू किया था। उसके बाद 'मसान', 'गैंग्स ऑफ वासेपुर', 'गोलियों की रासलीला-राम लीला' जैसी फिल्मों में मेरे किरदारों को दर्शकों और फिल्म-क्रिटिक्स के अच्छे रेस्पॉन्स मिले। मेरा किरदार 'भोली पंजाबन' इतना पॉपुलर हुआ कि मुझे 'फुकरे', 'फुकरे रिटर्न्स' में उसी तरह के रोल ऑफर हुए। आज भी मुझ पर से 'भोली पंजाबन' का स्टैंप पूरी तरह से हटा नहीं है। अब मेरे कई फैंस मुझे 'लज्जो' (हीरामंडी) के नाम से जानने लगे हैं, यह मेरी नई पहचान है। *

यह भी बताया...

प्रेग्नेंट रिचा के अहसास : रिचा चड्ढा बहुत जल्द मां बनने वाली हैं। वह कैसा महसूस कर रही हैं, पूछने पर बताती हैं, 'मैं बहुत ज्यादा एक्साइटेड हूं। मैं अली को 2015 से जानती हूं। वेनिस फिल्म फेस्टिवल में 'विक्टोरिया एंड अब्दुल' फिल्म के प्रीमियर पर हम पहली बार मिले थे। हमारी मुलाकात दोस्ती और प्यार में तब्दील हुई। हमने 2020 में शादी की, अब हम 2024 में मम्मी-पापा बन रहे हैं। हमारा प्यार, हमारे रिश्ते बहुत सहज तरीके से आगे बढ़े। अब मुझे मम्मी और अली को पापा कहने वाला कोई आएगा। ये भावनाएं मन पर मोर पंख घुमा रही हैं।'

नहीं छोड़ेंगी अभिनय और फिल्म निर्माण: रिचा से यह सवाल करने पर कि मां बनने के बाद क्या वह अपना एक्टिंग-करियर जारी रखेंगी, वह जवाब देती हैं, 'वक्त तेजी से बदल रहा है, बल्कि बदल चुका है। यह उन मांओं के लिए सुनहरा दौर है, जो अपने बच्चों की परवरिश के साथ अपने करियर को खत्म नहीं करना चाहतीं। मुझे याद है, जब मेरे भाई का जन्म हुआ था, मां ने डिलीवरी के 45 दिनों बाद ही अपनी जॉब कंटिन्यू कर दी थी। प्रेग्नेंसी-डिलीवरी स्त्री के लिए एक ऑर्गेनिक प्रॉसेस है। अगर मां का हाथ बंटाने वाला कोई हो तो यह कोई इश्यू नहीं बनता। मैं भी मनचाहा काम, फिल्में, ओटीटी, फिल्म निर्माण करते रहना चाहूंगी।'